फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 35 प्रभात जयपुर, शनिवार 5 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Two Traditions, One Ancient Chemistry — Despite their visual differences, these two are united by an extraordinary foundation, the same ancient knowledge of natural dyes and textile chemistry

Aboriginal Australian Bone Care and Medicine

When K. Asif Brought Ustad Bade Ghulam Ali Khan to Cinema

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- **एम.पी. ने सारे घोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?**

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम

(शेष पृष्ठ 6 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुज़रते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में "इंडिया" गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुँचने के लिए चाहिए होगा।

ताज़ा विवाद तमिलनाडु को लेकर

- **यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।**
- **यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।**
- **अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?**

है।

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

(शेष पृष्ठ 6 पर)

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

-जाल खंबातता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैंप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ खास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- **उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।**

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैंप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता

(शेष पृष्ठ 6 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की माँग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा "डील" रद्द हो गई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब "बिलाँगिंगः अ जर्नी ऑफ़ लव" पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

शुरुआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान "गतिरोध" आ गया था।

- **किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।**
- **अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।**

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा।

हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, "राजनीतिक संस्मरण "बिलाँगिंग", जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नज़रिया देती है।"

कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।

अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, "अल्फ्रेड ए नॉफ़", जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज़ की जाएगी।

इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान "एक खास मुद्दे" पर गतिरोध पैदा हो गया था।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओ के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारें ही नहीं बड़े-बड़े राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शीघ्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेच्युटी की राशि को बढ़ाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को स्वीकार करने में ही असमर्थता जता रहा है, इसी तरह राज्य सरकार के सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पूर्व सरकार में ही लागू हो चुकी 9 18 27 की पदोन्नति योजना भी विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारीयों के लिए लागू करने का साहस विश्वविद्यालय अपने खस्ता आर्थिक हालातो के चलते नहीं उठा पा रहा है, उच्च शिक्षा विशेषज्ञों और मीडिया से जुड़े मेरे वरिष्ठ साथियों का मानना है कि आने वाले तीन वर्ष विश्वविद्यालय के अस्तित्व और भविष्य के लिए महत्त्वपूर्ण दिशा तय करेंगे, ऐसे संवेदनशील समय में राजस्थान विश्वविद्यालय को इस पद के लिए प्रशासनिक कौशलता एवं विद्वत्ता की दृष्टि से ऐसे व्यक्तित्व की नितांत आवश्यकता होगी, जो अपनी स्थापित विद्वत्तापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षडयंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवर। जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

> **एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।**

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाएं जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा ही बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साथियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए , जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत,
राजस्थान विश्वविद्यालय।

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मगृशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैतिल करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।

आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

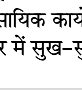

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

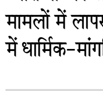

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

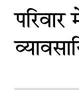

धनु
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

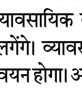

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

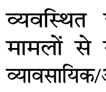

कन्या
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

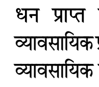

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

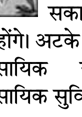

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

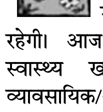

तुला
आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

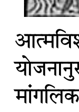

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

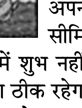

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

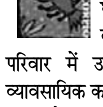

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

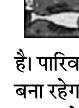

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर,मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण शक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं।

मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल'बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्त्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अठासर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

–श्रीमती द्रौपदी मुर्मु,
(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान

बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडगरा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा आसान नहीं था।

घुमंतू , राईका, रबारी परिवारों की सीमित और अनिश्चित आमदनी में फीस, किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी और स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ा बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं।

इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कभी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं। कोई कागज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सही जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे हैं खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखना उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खुलकर उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं- कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की ढेर सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया सपना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद भी न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामयाबी उसकी इमारत नहीं होगी, बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूं, कम कर सकते हैं वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असल अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुखबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव,
पीआरओ, सुजस स्टूडियो,
डीआईपीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??

महावीर सिंह

प्रात: भ्रमण के समय एक ग्रुप के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है यह। ऐसे ग्रुप्स में कई प्रकार के लोग होते है।कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रात: भ्रमणकारीयों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है:-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक है। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए कांग्रेसियों ने देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रात: की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी।

विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजरिए से देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी । इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा तत्समय के देश की आत्मा पर घाव माना जा सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था?

इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय जिंदगी जी रहे थे । इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश – तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था – वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार।

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही "गुलामी के अंत" का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उम्र दराज व्यक्ति ने केुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्पष्ट से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया।

क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो इंतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प कागज पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'इंतजार' का मतलब और अधिक खून-खराबा था।उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है::--

सांप्रदायिक आग -- कलकत्ता, नोआखाली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी। ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। दो राष्ट्र का विचार जड़ पकड़ चुका - 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते।

कांग्रेस भी थक चुकी थी - बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए , भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती है। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता - ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितिया ब्रिटेन के प्रतिकूल होती जा रही थी। दूसरा विश्वयुद्ध खत्म, होते-होते ब्रिटेन खुद दिवालिया हो चुका था। चर्चिल जा चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जल्दी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश सब जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को "सम्मानजनक निकासी" चाहिए। इसके अंतर्गत भारत – कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमजोर केंद्र , प्रांतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए।एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि ये चलेगा। इंतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए

संभव नहीं था। इंतजार" करने का मतलब था – बिना सरकार के, बिना फौज के, दंगों के बीच 40 करोड़ लोगों को छोड़ देना। नेहरू, पटेल, जिन्ना, गांधी – सभी ने देर से ही सही ये मान लिया कि बंटवारे के साथ आजादी अथवा बिना बंटवारे के गृहयुद्ध ,विकल्प थे।इसलिए आज हम दोनों बातें एक साथ रख सकते हैं – विभाजन का दुख भी, और आजादी का जश्न भी। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटा, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यही थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं, और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें – हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुन:देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

"नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की..."

गोविंददेवजी मंदिर में अलसुबह 4 बजे से उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजी छोटीकाशी

जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शनों के लिए अलसुबह से कतारें लगीं। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का प्राकट्योत्सव हुआ।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। "नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की..." के जयघोष से शुक्रवार को छोटी काशी जयपुर कृष्णमय हो उठी। रिमझिम बारिश के बीच सुबह से देर रात तक शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, श्रृंगार, भजन-कीर्तन, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के प्राकट्य के साथ मंदिरों में शंख-घड़ियाल, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच उल्लास छा गया।

- रात 12 बजे 31 तोपों की गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म
- गोविंददेवजी मंदिर में 1100 स्वयंसेवकों और 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने संभाली व्यवस्था

गोविंददेवजी में तड़के 4 बजे से दर्शन

छोटी काशी के आराध्य ठाकुर श्री गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में जन्माष्टमी महापर्व मनाया गया। तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश के बावजूद लंबी कतारें लगी रहीं। मंगला झांकी से पहले ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक कर नवीन पीत वस्त्र धारण कराए गए और विशेष पुष्प शृंगार किया गया। मंदिर परिसर को 'बधाई है' और स्वास्तिक की पताकाओं से सजाया गया।

भारी भीड़ को देखते हुए जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग के पूर्वी व पश्चिमी गेट से निकासी की व्यवस्था रही। दर्शन पास, बिना जूते-चप्पल और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं। परिसर में 13 एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। हरि कीर्तन और प्रसाद स्टॉलों ने माहौल भक्तिमय बनाए रखा। सुरक्षा के लिए करीब 1100 स्वयंसेवक, 150 स्काउट और 1000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहे। मंदिर को 12 सेक्टर में बांटकर तीन पारियों में ड्यूटी लगाई गई। डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ आरएसी कंपनियां व घुड़सवार पुलिस तैनात रही। मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, एआई कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से निगरानी की गई।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा हुई। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की गई। जन्म के बाद पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया गया। पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का भोग लगाया गया।

तीन मंदिरों में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव

जयपुर के अधिकांश मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्म मध्यरात्रि में मनाया गया, वहीं रामगंज बाजार स्थित श्री लाडलीजी मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर और नाहरगढ़ पहाड़ी स्थित चरण मंदिर में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव हुआ।

लाडलीजी मंदिर में ललित संप्रदायाचार्य संजय गोस्वामी के सान्निध्य में दोपहर 12 से 3 बजे तक ठाकुर किशोरी रमण का जन्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक, बधाई गायन, समाज उछाल और प्रसाद वितरण हुआ। राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में करीब 40 मिनट तक पंचामृत से जन्माभिषेक हुआ। चरण मंदिर में भी दोपहर में अभिषेक किया गया।

आज निकलेगी गोविंददेवजी की शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को गोविंददेवजी की भव्य शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से रवाना होगी। यह जलेबी चौक, सिरहड्योढ़ी बाजार, बांदरवाल गेट, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार और बगरू वालों के रास्ते से होते हुए श्री गोपीनाथजी मंदिर पहुंचेगी।

दोपहर 4 बजे से शोभायात्रा समाप्त होने तक हवामहल बाजार, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, चांदपोल बाजार और बगरू वालों के रास्ते में पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। शोभायात्रा के आगे बढ़ने के साथ यातायात को चरणबद्ध तरीके से डायवर्ट किया जाएगा।

परकोटा क्षेत्र के साथ गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे से मिनर्वा, अशोका मार्ग से यादगार और रामनिवास बाग के अंदर हल्के मालवाहक वाहन, ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ऑटो रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। परकोटे में जेसीटीएसएल सहित अन्य सिटी बसों का प्रवेश भी बंद रहेगा।

एमआई रोड की सिटी बसों को यातायात दबाव बढ़ने पर वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। एम्बुलेंस और अन्य अति आवश्यक सेवाओं के वाहनों का संचालन निर्बाध रहेगा। पुलिस ने आमजन से अनावश्यक वाहन लेकर परकोटे में नहीं आने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

कांग्रेस चुनाव जीती तो हर निकाय में हर साल होगी सफाईकर्मियों की भर्ती : गोविन्द सिंह डोटासरा

- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा

गोविंद सिंह डोटासरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पीसीसी वॉर रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश और अवमानना की कार्रवाई के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। करीब डेढ़ साल तक निकायों में प्रशासक रहने से जनता के काम प्रभावित हुए।

डोटासरा ने परिसीमन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं 10 हजार तो कहीं 30 हजार तक की आबादी वाले वार्ड बनाए गए। उन्होंने आरक्षण लॉटरी में भी मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि पहली बार नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संयुक्त लॉटरी निकाली गई, जिसके चलते प्रदेश के 10 नगर निगमों में किसी में भी महापौर पद एससी-एसटी के लिए आरक्षित नहीं हुआ। एक पद ओबीसी के लिए आरक्षित हुआ, जबकि एससी-एसटी आरक्षण नगर पालिकाओं तक सीमित रहा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने टिकट वितरण में 40 वर्ष से कम उम्र के 49.33 प्रतिशत, ओबीसी के 48.85 प्रतिशत, एससी के 21.81 प्रतिशत, एसटी के 5.23 प्रतिशत और महिलाओं के 35.90 प्रतिशत उम्मीदवारों को मौका दिया है।

जयपुर की समस्याओं पर भाजपा को घेरा

डोटासरा ने गड्ढों, ट्रैफिक जाम, कचरे, बंदरों, सुअरों और आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा बोर्ड पर निशाना साधा। स्टैच्यू सर्किल जैसे प्रमुख स्थानों पर स्ट्रीट लाइट नहीं जलने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 23 हजार से अधिक पदों की घोषणा के बावजूद तीन साल में भर्ती पूरी नहीं हुई। नई भर्ती में शर्तों के कारण अब तक करीब चार हजार आवेदन आने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर हर निकाय में हर साल सफाईकर्मियों की भर्ती और घर-घर कचरा संग्रहण मुफ्त किया जाएगा।

500 रुपए में पट्टे देने का वादा

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो 500 रुपए में मकान का पट्टा देने की व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नामांतरण शुल्क में राहत बरकरार रखने तथा सीसी रोड, ड्रेनेज, सीवरेज और एसटीपी के लिए अतिरिक्त बजट देने की बात कही।

विकास कार्यों का स्टेटस और शिकायतों का निस्तारण ऑनलाइन करने का भी वादा किया। जयपुर मेट्रो की नई डीपीआर में बदलाव को लेकर उन्होंने अतिरिक्त खर्च और संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई तथा भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगाए।

नामांकन में सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

डोटासरा ने बीकानेर, मालपुरा, नाथद्वारा, पाली और भीलवाड़ा में कांग्रेस व समर्थित निर्दलीय प्रत्याशियों पर दबाव और नामांकन में भेदभाव का दावा किया। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बागियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

'कोई मेरा-तेरा नहीं, जिसे पार्टी का सिंबल मिला, वह सबका प्रत्याशी'

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने जयपुर के विधायकों से दो टूक बात कही

- बीएल संतोष ने जयपुर शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं से लिया फीडबैक, वार्डवार राजनीतिक समीकरणों पर किया मंथन

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने जयपुर में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया। दिनभर हुई बैठकों के अंतिम चरण में संतोष ने जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के राजनीतिक समीकरणों और वार्डवार स्थिति को लेकर नेताओं से जानकारी ली।

बैठक में बीएल संतोष ने टिकट वितरण के बाद सामने आ रही स्थानीय खींचतान के बीच विधायकों और विधानसभा प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी प्रत्याशी 'मेरा-तेरा' नहीं होता। पार्टी का सिंबल जिस प्रत्याशी को मिल गया, वह पूरे संगठन का प्रत्याशी है। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत पसंद-नापसंद से ऊपर उठकर पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करना होगा।

संतोष ने जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी की स्थिति को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की। उन्होंने नेताओं से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले वार्डों के राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति, स्थानीय प्रभाव, संगठन की सक्रियता और चुनावी संभावनाओं की जानकारी ली। साथ ही जिन वार्डों में पार्टी को चुनौती नजर आ रही है, वहां संगठन की स्थिति और जीत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी फीडबैक लिया।

बैठक में निगम चुनाव में विधानसभा स्तर पर समन्वय और सभी नेताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

संतोष ने संकेत दिया कि निगम चुनाव में संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदाचार्य, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सांसद मंजू शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक ने राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 तथा धारा 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रशासकों की नियुक्ति संबंधित पंचायत समिति के नवनिर्वाचन के पश्चात् गठित पंचायत समिति की प्रथम बैठक की तिथि के ठीक पूर्ववर्ती दिन तक प्रभावी रहेगी।

आदेश के अनुसार आमेर पंचायत समिति में उपखण्ड अधिकारी आमेर, आंधी एवं जमवारामगढ़ में उपखण्ड अधिकारी जमवारामगढ़, बस्सी एवं तुंगा में उपखण्ड अधिकारी बस्सी, चाकसू एवं कोटखावदा में उपखण्ड अधिकारी चाकसू, दूदू में उपखण्ड अधिकारी दूदू, गोविंदगढ़ में उपखण्ड अधिकारी चौमूं, जालसू में उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबड़ी, झोटवाड़ा में उपखण्ड अधिकारी जयपुर, जोबनेर में उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल में उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-रेनवाल, माधोराजपुरा में उपखण्ड अधिकारी माधोराजपुरा, मौजमाबाद में उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद, फागी में उपखण्ड अधिकारी फागी, सांभरलेक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक, सांगानेर में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर, शाहपुरा में उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा, को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इन पंचायत समितियों में नियुक्त प्रशासक संबंधित पंचायत समिति के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जे.सी.बी. की खुदाई में गैस पाइपलाइन टूटने से हड़कंप

जयपुर । झोटवाड़ा थाना इलाके के कमानी मोड चौराहे पर शुक्रवार दोपहर जेसीबी से खुदाई के दौरान टोरंट गैस की पाइपलाइन क्षितग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस की टीम और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई बंद करवाई गई। किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका को देखते हुए आसपास का यातायात डायवर्ट कर दिया गया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की गई। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल गैस कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कंपनी की ओर से गैस की सप्लाई बंद करवाई गई, जिससे रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की जा सकी।

थानाधिकारी रेजल सिंह ने बताया कि गैस सप्लाई बंद होने के बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत में रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते गैस सप्लाई बंद कराने और पुलिस-प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

रिसाव नियंत्रित होने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

'जेडीए की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कोचिंग संस्थान'

जयपुर । गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाकर कोचिंग हब में शिफ्ट करने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से कोचिंग संस्थानों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी की है।

एसोसिएशन के मुताबिक जेडीए प्रशासन अब तक करीब 30 कोचिंग संस्थानों, 15 लाइब्रेरी और हॉस्टल को सील कर चुका है। इसके साथ ही अन्य कोचिंग संस्थानों को भी जेडीए द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग संस्थानों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखने का निर्णय किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आरएल पूनिया ने जेडीए की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कोचिंग संस्थानों से संबंधित जिन बायलॉज के आधार पर कार्रवाई की जा रही है, वे अभी लागू ही नहीं हुए है। उनका कहना है कि संबंधित नियम अभी ड्राफ्ट स्तर पर है, उनकी वेबसाइट और कार्यालय तक तैयार नहीं है। इसके बावजूद इन्हीं प्रस्तावित बायलॉज के आधार पर कोचिंग संस्थानों के भवन सील किए जा रहे है। एसोसिएशन लगातार मांग कर रही है कि सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई तक कोचिंग संस्थानों को अपना पक्ष रखने तक कार्रवाई न हो।

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

- पुलिस कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

जयपुर । जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को मुहाना स्थित इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। मंदिर परिसर में भट्टी जलाते समय अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग की लपटें वीआईपी पंडाल तक पहुंच गई। हादसे के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिससे हड़कंप मच गया।

आग की सूचना मिलते ही मुहाना थाने में तैनात कांस्टेबल कान सिंह ने साहस का परिचय देते हुए आग के बीच पहुंचकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने जलते हुए गैस सिलेंडर को उठाकर परिसर से बाहर फेंक दिया। आसपास कई अन्य गैस सिलेंडर रखे होने के कारण आग के फैलने और बड़े हादसे का खतरा था, लेकिन कांस्टेबल की सूझबूझ से स्थिति बिगड़ने से बच गई।

इधर घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस और दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। इससे मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं की जान पर मंडरा रहा बड़ा खतरा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांस्टेबल कान सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच जाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और जलते सिलेंडर को परिसर से बाहर फेंका। उनकी इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री का शुक्रवार शाम इस्कॉन मंदिर आने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया गया है। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले मंदिर परिसर में आग की घटना के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

छात्रवृति के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी होगी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तथा सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि बायोमेट्रिक के कारण जिन विद्यार्थियों के आवेदन शिक्षण संस्थान स्तर पर लंबित हैं, वे निर्धारित तिथि से पूर्व बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके। निर्धारित तिथि के पश्चात बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

डोटासरा मानसिक अवसाद के शिकार, भाजपा और संघ के फोबिया से ग्रस्त : मदन राठौड़

कांग्रेस का विजन त्रि-सूत्रीय फार्मूला- समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

मदन राठौड़

- स्वरा भास्कर, जब जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाती है, तब डोटासरा के मुंह में दही क्यों जम जाता है?: राठौड़
- राठौड़ ने सवाल पूछा कि "दलित जिलाध्यक्ष की पिटाई और कांग्रेस नेत्रियों से अनुचित मांग पर मौन क्यों है कांग्रेस?"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मानसिक अवसाद का शिकार बताया, जिन्हें भाजपा और संघ का फोबिया हो गया है। कांग्रेस की जमीनी स्थिति का आकंलन उनके पास पहुंच गया है, इसलिए वे अनर्गल प्रलाप कर अपनी सामने दिख रही हार की झेप मिटा रहे है। राठौड़ ने कहा कि परिसीमन में बेईमानी कांग्रेस ने पिछले निकाय चुनावों में की थी, जब तुष्टिकरण के आधार पर कोई वार्ड 300 मतदाताओं का बना दिया तो कोई वार्ड 3000 वोटर्स का बना दिया गया, बेईमानी उसे कहते है जो उन्होंने की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कौन कार्यकर्ता, कौन नेता कहां आएगा, कहां बैठेगा और कहां चुनाव का कार्य देखेगा, ये भाजपा का परिवारभाव के साथ तय करने में सक्षम है।

कांग्रेस और उनके नेताओं को ना तो इसमें चिंता करने की जरूरत है और ना ही ज्ञान देने की जरूरत है। अगर चिंता और ज्ञान ज्यादा ही है तो वे पहले अपने घर की चिंता कर लें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ दावा करती है कि दलितों और महिलाओं को सम्मान दे रहे है, ये इनके शब्दों के ढकोसले है, बीकानेर में जिस कांग्रेस जिलाध्यक्ष को पिटा गया, वो दलित समाज से आते है और जिन महिला नेत्रियों को कांग्रेस के विधायकों ने मेरे लिए व्यक्तिगत क्या किया, पूछने का साहस हो, वहां महिलाओं का सम्मान किस तरह होता है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा महिला सम्मान की बात करते है, उनकी पार्टी से जुड़े हुए परिवार के लोग और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते है, जब वे जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाते है और डोटासरा के मुंह में दही जम जाता है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा झूठ गढ़ने की मशीन से होड करते हुए प्रतीत होते है, जब वे राजस्थान में पिछले ढाई साल में हुए विकास के काम पर सवाल उठाते है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का विजन जनता को पता है, समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना। ये ही इनका त्रि-सूत्रीय फार्मूला है, जो आज विजन के नाम पर जनता के सामने रखा है, वो ही काम कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए क्यों नहीं किए और अब वो जो दावे कर रहे है वो पूरे कैसे करेंगे, ये जनता जानती है कि ये झूठ के पुलींदे के अलावा कुछ नहीं है।

राजस्थान के युवाओं को 4 हजार रुपए देगी केन्द्र व राज्य सरकार

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत 1500 रुपए केन्द्र तथा 2500 रुपए प्रतिमाह राज्य सरकार देगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत पात्र अप्रेंटिस को केंद्र सरकार की ओर से 1500 प्रतिमाह की स्टाइपेंड सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही है। वहीं राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के तहत राजस्थान अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस को 2500 प्रतिमाह अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जायेगी। इस स्कीम का उद्देश्य उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाना, युवाओं को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है।

2025-26 में 32243 अप्रेंटिस जुड़े

जानकारी के मुताबिक राजस्थान में अप्रेंटिसशिप के प्रति युवाओं और प्रतिष्ठानों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में 12,850 अप्रेंटिस की उपलब्धि रही, जो 2022-23 में 15204 हुई, 2023-24 में 18230 और 2024-25 में बढ़कर 22328 हो गई। वर्ष 2025-26 में 32243 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.4 प्रतिशत अधिक है। यह वार्षिक लक्ष्य 24010 के मुकाबले 135 प्रतिशत उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 सितंबर 2026 तक 15122 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि वार्षिक लक्ष्य 35,594 निर्धारित है। अप्रेंटिसशिप सहभागिता के मामले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्थान उत्तरी भारत के राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा।

कौशल दर्पण पोर्टल से होगा भुगतान

राज्य सरकार की 2500 की अतिरिक्त सहायता के भुगतान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा कौशल दर्पण पोर्टल पर समर्पित भुगतान मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पात्र अप्रेंटिस को अतिरिक्त सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

अंत्योदय कार्डों में फर्जीवाड़े पर झुंझुनूं कलैक्टर सख्त, 122 कार्ड जांच के घेरे में

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

- **122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं, नगर पालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं**
- **मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए**

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। जिले में 122 राशन कार्डों को प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) श्रेणी से अंत्योदय (एएवाई) श्रेणी में नियम विरूद्ध तरीके से परिवर्तित किए जाने की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। कई मामलों में अंत्योदय श्रेणी के लिए पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न नहीं मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में सामने आया कि कई परिवारों ने ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी में चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन पात्रता साबित करने वाले जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। कुछ आवेदन अपूर्ण पाए गए तो कुछ राशन कार्डों में अन्य संशोधनों के साथ श्रेणी परिवर्तन भी किया गया। अब प्रशासन ने पूरे मामले में आवेदन से लेकर अनुमोदन तक की प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

जिला रसद अधिकारी संदीप गौड़ ने बताया कि संबंधित 122 राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर वैध दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण देना होगा। निर्धारित समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा पात्रता साबित नहीं होने की स्थिति में गेहूं की राशि 30.57 रूपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी।

मामले में ई-मित्र संचालकों की भूमिका भी जांची जाएगी। संबंधित ई-मित्र आईडी की सूची सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन ने ई-मित्र संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अंत्योदय श्रेणी के आवेदन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही किए जाएं। लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित ई-मित्र संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि कुछ मामलों में नगर निकाय एवं पंचायत समिति के कार्मिकों ने राशन कार्डों का अनुमोदन करते समय अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी दस्तावेजों की पर्याप्त जांच नहीं की। ऐसे में श्रेणी परिवर्तन का अनुमोदन करने वाले संबंधित कार्मिक भी जांच के दायरे में रहेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग के निर्देश पर संबंधित विकास अधिकारियों और नगर निकाय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आवेदन पत्र, संलग्न दस्तावेज, श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया और अनुमोदन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी।

35 किलो गेहूं के लिए बदली श्रेणी? :- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पीएचएच श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं दिया जाता है। ऐसे में दोनों श्रेणियों के बीच मिलने वाले गेहूं की मात्रा में बड़ा अंतर है। जिले में संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी में बदलाव फरवरी-मार्च 2025 के दौरान किए गए थे। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि श्रेणी परिवर्तन नियमानुसार हुआ था या नहीं।

उदयपुरवाटी में सबसे ज्यादा मामले :- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं। इसके बाद नगरपालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं। नगरपालिका उदयपुरवाटी में 7 मामले मिले हैं। शेष मामले अन्य पंचायत समितियों एवं नगर निकायों से जुड़े हैं।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी :- 122 कार्डों की जांच के आदेश के बाद अब कार्डधारी, ई-मित्र संचालक और अनुमोदन करने वाले कार्मिक-तीनों स्तरों पर जिम्मेदारी तय होने की संभावना है। सात दिन में कार्डधारियों से प्राप्त होने वाले दस्तावेज और स्पष्टीकरण के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अपात्र पाए जाने वालों से सरकारी गेहूं की राशि वसूलने के साथ नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई का रास्ता भी साफ होगा।

उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर और उसके गुर्गों ने दो घरों पर फायरिंग की

- **जिसके घर फायरिंग हुई, उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है**
- **पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र के मल्लातलाई इलाके में गुरूवार देर रात करीब एक बजे बाइक और स्कूटी पर चार बदमाशों ने दो गलियों में अलग-अलग घरों के बाहर फायरिंग की दो घटना को अंजाम दिया है। वारदात में हिस्ट्रीशीटर शामिल है, जिसने खुद गुर्गों के साथ मिलकर फायरिंग की, जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। क्षेत्र में वर्चस्व और खौफ कायम करने की बदमाशों की आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। शहर में लगातार पांच दिन में फायरिंग की चार वारदातों से न सिर्फ शहरवासियों में दहशत है, बल्कि इन वारदातों ने पुलिस की भी नींद उड़ायी हुई है। फायरिंग की इस वारदात के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मल्लातलाई स्थित एक गली में हिस्ट्रीशीटर बाइक पर गुर्गे के साथ पहुंचा। हिस्ट्रीशीटर ने विरोधी अरबाज के घर पर कांच की बोतलें फैंकी और अवैध देशी कट्टे से फायरिंग की फरार हो गया। वहीं दूसरी गली में अरबाज के दोस्त मोहम्मद आरिफ के घर के बाहर स्कूटी पर हिस्ट्रीशीटर के दूसरे गुर्गे पहुंचे। इन दोनों ने आरिफ के घर पर कांच की बोतलें फैंकी और फायरिंग कर फरार हो गए। अरबाज जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। फायरिंग करने वाला हिस्ट्रीशीटर और जिसके घर फायरिंग हुई ये बदमाश दोनों ही विरोधी बदमाशों में खौफ कायम करने एक दूसरे को डराते धमकाते हैं, इसी उद्देश्य से यह फायरिंग की वारदात हुई। उदयपुर शहर में खौफ और वर्चस्व कायम करने बदमाशों में फायरिंग हो रही है। आशंका है कि शहर में अवैध हथियारों की तस्करी भी बढ़ी है। अवैध हथियार उदयपुर में सप्लाई हो रहे हैं तभी बदमाशों द्वारा बेखौफ चलाए जा रहे है।

जानकारी के अनुसार 29 अगस्त की आधी रात हिस्ट्रीशीटर मुजफ्फर उर्फ गोगा के गुर्गों उस्मान और मोहसीन काना सहित अन्य ने विरोधी फरदीन पर फायरिंग कर गोली मारी थी। वारदात में फरदीन गंभीर घायल हुआ था। इस रात इन बदमाशों ने फायरिंग करते हुए इनकी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ाई थी। जिसने पुलिस की रात्रि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। पुलिस ने मुजफ्फर उर्फ गोगा को तो उसी दिन पकड़ लिया था, हालांकि फायरिंग करने वाले बदमाश अभी फरार है। 1 सितंबर की दोपहर शहर के व्यस्ततम पर्यटन क्षेत्र सहेली मार्ग स्थित मीरा पार्क के पास शादाब खान उर्फ अली गाइड ने हिस्ट्रीशीटर इरफान खान पर फायरिंग कर गोली मार दी थी। इसमें इरफान खान घायल हुआ था। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। 1 सितंबर को ही डबोक के मंदिर स्थित घर में घुसकर बदमाशों ने फायरिंग, तोड़फोड़ की थी और विवाहिता का अपहरण कर ले गए थे। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं।

रुदावल में आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत, दो घायल

- **तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई**

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। जिले के रुदावल थाने क्षेत्र के गांव डुमरिया में शुक्रवार दोपहर बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। डुमरिया गांव के जंगल में आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई और करीब 60 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे के बाद दोनों घायलों को बयाना अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में भरतपुर रेफर कर दिया गया।

घायल केशर देवी के अनुसार, डुमरिया गांव निवासी नितेश गुर्जर (17) अपने बड़े भाई सुनील गुर्जर (18) और करीब 60 वर्षीय केशर देवी के साथ गांव के जंगल में खेतों की ओर मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों पास ही स्थित एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। बिजली की चपेट में आने से नितेश गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई सुनील और केशरदेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास मौजूद लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल बयाना अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने सुनील और केशरदेवी को भरतपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रुदावल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अजमेर कांग्रेस में ऑनलाइन टिकट वितरण को लेकर उठ रहे हैं विवाद

वार्ड 67 के टिकट ने खोली अजमेर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत की परतें

- **टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज**
- **टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है**

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव 2026 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खासकर वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की ओर से टिकट के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वाले दावेदारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में वार्ड 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि किसी दावेदार ने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया था तो उसे टिकट किस आधार पर मिला।

आवेदन करने वाले दावेदार रह गए पीछे :- वार्ड 67 से शंकर गुरु के पुत्र ओम शर्मा, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के महासचिव खुशवंत रोहिल्ला तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता अशोक मेहरा सहित कई लोगों ने टिकट के लिए दावेदारी जताई थी। इसके बावजूद गोविंदराम जादम को पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से टिकट के इच्छुक दावेदारों में असंतोष की चर्चा है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में स्थानीय संगठन और लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं की दावेदारी की अपेक्षा अन्य राजनीतिक समीकरणों को अधिक महत्व दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का दावा है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिकट वितरण के माध्यम से राठौड़ अपने राजनीतिक प्रभाव का आधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

समर्थकों को टिकट मिलने से बढ़ी नजदीकी, असंतुष्टों में नाराजगी :- कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह भी चर्चा है कि जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं को टिकट मिला है, वे अपने चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन और जनसंपर्क कार्यक्रमों में धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को प्रमुखता दे रहे हैं। वहीं टिकट से वंचित रहे कुछ दावेदार और उनके समर्थक खुले तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। टिकट वितरण के विरोध में कुछ स्थानों पर राठौड़ के विरोध में प्रदर्शन और पुतले जलाए गये थे, इससे साफ है कि नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर असंतोष सतह पर आ गया है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग यह भी मानता है कि चुनाव परिणाम चाहे जो रहें, टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया का राजनीतिक श्रेय और जिम्मेदारी शहर कांग्रेस नेतृत्व पर भी आएगी। यदि कांग्रेस नगर निगम में बोर्ड बनाने में सफल रहती है तो संगठन के नेतृत्व को इसका श्रेय मिलेगा, जबकि असफलता की स्थिति में टिकट वितरण को लेकर उठे सवाल और अधिक तेज होने की संभावना है।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर खेड़ापा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तेज रफ्तार ट्रक और बाइक के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुआ। सूचना मिलते ही खेड़ापा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान लोरड़ी पंडितजी निवासी किलाराम पुत्र मोहनराम सरगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सामान्य किया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर बावड़ी राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

- **आठ दमकलों ने मिलकर दो घंटे में आग पर काबू पाया**

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा स्थित पेप्सी तिराहा से आगे एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में सुबह आग लग गई। आग से लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आठ दमकलों ने दस बारह फेरे कर दो घंटे से अधिक समय में इस आग पर काबू पाया। आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने का प्रथम दृष्टया कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बोरानाडा स्थित पेप्सी फैक्टरी के आगे एक हैण्डीक्राफ्ट की फैक्टरी आई हुई है, जिसका मालिक संजय भाटी है। सुबह सूचना मिली कि फैक्टरी में आग लगी है। इस पर बासनी से 2, शास्त्रीनगर 2, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 1, बोरानाडा से दो और नागौरी गेट से एक गाड़ी को वहां बुलाया गया। आग की तीव्रता ज्यादा होने पर दमकलों को दो- दो फेरे तक करने पड़े। प्रभारी प्रशांत सिंह के अनुसार आग को काबू करने में तकरीबन दो घंटे लगे। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। काफी नुकसान पहुंचा है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट लग रहा है। अग्रिम पड़ताल जारी है।

जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के रिछाड़िया गांव में जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी बीमार पशुओं को तत्काल राजकीय बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय रामगंजमंडी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रिछाड़िया निवासी नंदलाल गुर्जर के मवेशी बारिश के मौसम में खेत व आसपास उगी अवांछित झाड़ियों और चारे को खा रहे थे। चारा खाने के कुछ ही देर बाद पशुओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

- **फर्श पर गिरे और टूटे नूडल्स के दोबारा इस्तेमाल सहित कई अनियमितताएं सामने आईं, बिना लाइसेंस उत्पादन का भी मामला**
- **कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया**

रूपनगढ़, (कासं)। रूपनगढ़ स्थित सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन का मामला सामने आया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की टीम ने निरीक्षण के दौरान करीब 32,107 किलोग्राम खाद्य स्टॉक जब्त किया है। अधिकारियों ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जांच के दौरान अधिकारियों को यूनिट में फर्श पर गिरे और टूटे हुए नूडल्स को दोबारा इस्तेमाल कर भुजिया उत्पाद तैयार किए जाने की जानकारी मिली। जांच में निर्धारित हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया को लेकर भी अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया।

जांच के दौरान 'वाई-वाई मा मा' और 'वाई-वाई मामा पुंटे' नाम से भुजिया उत्पादों का कथित रूप से आवश्यक लाइसेंस के बिना उत्पादन किए जाने की जानकारी मिली। एफएसएसएआई के अनुसार कंपनी को आवश्यक मंजूरी के बिना बेज भुजिया नमकीन का उत्पादन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान यूनिट की सफाई व्यवस्था में भी कई कमियां पाए जाने की बात सामने आई। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में खामियां और पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी जांच टीम ने दर्ज की। एफएसएसएआई की टीम ने प्रयोगशाला जांच के लिए नूडल्स, वेज भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा 'वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स' के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों को भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

झांसा देकर खाते से 3.60 लाख रुपये पार किए

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल लिंक रोड कमला नगर अस्पताल के पास रहने वाले एक शख्स के साथ शातिर ने साइबर ठगी कर ली। उसे लोन दिलाने का झांसा देकर 3.60 लाख रूपए बैंक खाते से उड़ा लिए। पता लगने पर पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब देवनगर पुलिस ने आईटी एक्ट एवं धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। घटना 28-29 अगस्त को है।

देवनगर थानाधिकारी कमल किशोर ने बताया कि कमला नगर अस्पताल के पास लिंक रोड स्थित महावीर नगर निवासी दिलीप पुत्र बाबूलाल माहेश्वरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 28 अगस्त को उसके पास में किसी शख्स का कॉल आया और लोन देने की बात की। पांच लाख के लोन के लिए उसने व्हाट्सएप पर बाद में लिंक भेजा। इसके बाद पीड़ित ने लिंक को खोला तब उसके बैंक एकाउंट से पहली बार में 1.90 लाख फिर 1.70 लाख रूपए विड्राल कर लिए गए। पीड़ित की तरफ से साइबर पोर्टल पर भी शिकायत दी गई है।

छबड़ा में देर रात से बारिश का दौर जारी, चुनाव प्रचार की रफ्तार थमी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शहर में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। देर रात से लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार को चुनावी गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बारिश के कारण प्रत्याशियों के जनसंपर्क और प्रचार कार्यक्रम प्रभावित हुए तथा कई स्थानों पर सड़कों और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम नजर आई। नगर पालिका के 35 वार्डों में प्रत्याशी इन दिनों घर-घर संपर्क कर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की टोलियां विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क के लिए निकलती हैं, लेकिन बारिश के चलते शुक्रवार को प्रचार अभियान प्रभावित रहा। लगातार बारिश के कारण प्रत्याशियों को अपने निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि मौसम खराब होने के बावजूद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार को पूरी तरह रोकने के बजाय मौसम खुलने का इंतजार करते नजर आए। कई प्रत्याशियों ने बारिश थमने के बाद सीमित स्तर पर जनसंपर्क करने का प्रयास किया। चुनावी मुकाबला नजदीक आने के साथ प्रत्याशी एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण कच्चे रास्तों और गलियों में आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में जनसंपर्क करना प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन गया है।

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को मौसम साफ बना रहा। हालांकि इसके साथ ही हल्के बादल भी छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर तक बारिश का अलर्ट नहीं है। शहर में अगस्त महीने के शुरुआती कुछ दिनों के बाद से बारिश नहीं हुई है। महीनेभर से शहर सूखा है। तापमान में भी पिछले कुछ दिनों से बढ़ोतरी हुई है। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार एक सितंबर तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 254.7 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 189.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन के सामान्य से 65.5 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों के लिए जोधपुर शहर में किसी भी तरह का कोई बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इस दौरान बादल छाए रहेंगे।

श्रीगंगानगर में मैदा बनाने वाली कंपनी से 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी

- **ग्यारह हजार क्विंटल मैदा खरीदकर भुगतान रोका, गुजरात-महाराष्ट्र के 7 कारोबारियों पर केस दर्ज**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां मैदा बनाने वाली कंपनी से करीब 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि गुजरात और महाराष्ट्र के कारोबारियों ने खुद को एक ही बिजनेस ग्रुप से जुड़ा बताकर 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा खरीदा। शुरुआत में समय पर भुगतान करने के बाद फरवरी 2026 से भुगतान रोक दिया गया। करीब 65 लाख रुपए बकाया होने पर 11 लाख रुपए आरटीजीएस से दिए गए, लेकिन बाकी रकम नहीं चुकाई गई। चूनावढ़ थाना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगला एग्रो फूड्स (नेतेवाला) के पार्टनर विलास मंगला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी फर्म 2023-24 में शुरू हुई थी। जुलाई 2025 में मोबाइल से विनोद बरोट नाम के व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। उसने खुद को कई प्रतिष्ठानों का संचालन करने वाला बताया और बल्क में मैदा खरीदने की बात कही। पहले ऑर्डर में दो ट्रक राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, अहमदाबाद और एक ट्रक श्रीएम सोमया, राजकोट के नाम पर बुक किए गए। बाद में एक ऑर्डर पोयम एंटरप्राइजेज के नाम पर बदल दिया गया। विनोद बरोट ने राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, पोयम एंटरप्राइजेज, खुशी कॉर्पोरेशन, त्र्यम्ब इंडस्ट्रियल (नासिक), ग्वालियर एडिबल्स, नीलग्रो एग्रो प्रोडक्ट्स, ड्रगु एग्रो एंड फूड और रतनकांत एग्रो इंडस्ट्रिज समेत कई फर्मों के नाम बताए। उसने दावा किया कि ये सभी फर्म एक ही बिजनेस ग्रुप की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन फर्मों को 2025-26 में करीब 11 हजार क्विंटल मैदा सप्लाई किया गया। शुरुआत में सभी फर्मों की ओर से समय पर भुगतान होता रहा। इससे कंपनी का कारोबारियों पर भरोसा बढ़ गया और लगातार मैदा सप्लाई किया जाता रहा। फरवरी 2026 से अचानक ऑर्डर बंद हो गए। उस समय कंपनी का करीब 65 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। विलास मंगला ने जब भुगतान के लिए संपर्क किया तो विनोद बरोट ने उन्हें आश्वासन दिया। मई 2026 में उसने विलास मंगला को अहमदाबाद बुलाया और वहां से मुंबई ले जाकर वाशी स्थित ऑफिस में मीटिंग करवाई। मीटिंग में प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, रामयज्ञ रामकरण मिश्रा, गौरीधर, केतन बरोट समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान कंपनी को 11 लाख रुपए का भुगतान किया गया और बाकी रकम जल्द देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद कोई और भुगतान नहीं किया गया।

आरोप है कि इसके उलट इंडस्ट्रियल की ओर से करीब तीन महीने पुराना मैदा कंपनी की सहमति के बिना वापस भेज दिया गया। इसके बाद श्रीगंगानगर की कंपनी ने अपने कर्मचारी जयपाल को भुगतान के संबंध में जानकारी लेने अहमदाबाद और मुंबई भेजा। वहां जयपाल की विनोद बरोट और प्रशांत से बात हुई तो दोनों ने एक-दूसरे को नहीं जानने की बात कही। बाकी लोगों ने भी विनोद या प्रशांत को जानने से इनकार कर दिया और कंपनी का भुगतान करने से मना कर दिया। इसके बाद विनोद बरोट ने कहा कि पार्टी उसे धोखा दे गई है, वह भी इनके मिलकर धोखा किया है और उसका इन लोगों के साथ कोई सीधा कारोबार नहीं है। वहीं, प्रशांत निखारजे ने भी रात में फोन पर कहा कि धोखाधड़ी होनी थी, जो हो गई और अब पैसे नहीं देंगे हैं। इसके बाद विलास मंगला ने विनोद बरोट, प्रशांत निखारजे, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, गौरीधर, केतन बरोट और रामयज्ञ रामकरण मिश्रा के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दी। चूनावढ़ थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह कर रहे हैं।

एक ही भर्ती पर अलग-अलग जिलों में अलग नियम सामने आये

बीकानेर, (निसं)। तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 के संशोधित परिणाम से प्रभावित शिक्षकों के मामले में प्रदेश में एक ही भर्ती के बावजूद अलग-अलग जिलों में अलग व्यवस्था सामने आ रही है। कुछ जिलों में प्रभावित शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण कर दिया गया है, जबकि करीब 500 शिक्षक अब भी अपने अधिकार के लिए विभागीय कार्यालयों और सचिवालय के चक्कर काट रहे हैं। करीब एक वर्ष पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रभावित शिक्षकों के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी मामले में 'नो अपील' का निर्णय लिया। इसके बावजूद सभी प्रभावित शिक्षकों को समान रूप से राहत नहीं मिल पाई है। प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, पाली, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, जयपुर, खैरथल-तिजारा, नागौर और झुंझुनूं सहित कई जिलों में शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण किया जा चुका है।

महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत प्रभावित शिक्षकों को भी इसका लाभ मिल चुका है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से पूर्व में कहा गया था कि आगामी न्यायिक निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों का कहना है कि मामले में डिवीजन बेंच का फैसला अगस्त 2025 में आ चुका है और सरकार 'नो अपील' का निर्णय भी ले चुकी है। इसके बावजूद सभी जिलों में एक समान आदेश जारी नहीं किए गए। प्रभावित शिक्षक बताते हैं कि मुख्यमंत्री स्तर पर 4 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में भी इस मामले को लेकर निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से शिक्षकों में नाराजगी है। 1300 शिक्षक हुए प्रभावित, करीब 1000 अभी कार्यरत भर्ती के संशोधित परिणाम से कुल करीब 1300 शिक्षक प्रभावित हुए थे। इनमें लगभग 1000 शिक्षक वर्तमान में कार्यरत हैं।

व्यापारी नरेन्द्र नाथ का अपहरण कर फिरौती मांगने वाला मास्टरमाइंड दुबई से गिरफ्तार

आरोपी को इंटरपोल की मदद से आबू धाबी से जयपुर लेकर आई एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । व्यापारी नरेन्द्र नाथ दत्ता के अपहरण और करोड़ों रुपए की फिरौती मांगने के मामले में फरार चल रहे मास्टरमाइंड करण आसवानी उर्फ कमल सिंधी को राजस्थान एजीटीएफ ने इंटरपोल की मदद से दुबई से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को लेकर एजीटीएफ की टीम गुरुवार देर रात जयपुर पहुंची। मामले में उसके तीन साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आरोपी कमल सिंधी

एडीजी एटीए-एएनटीएफ एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि करण आसवानी के दुबई में छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद एजीटीएफ ने उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश शुरू की। आरोपी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी कराया गया। इसके बाद यूएई के अबू धाबी स्थित इंटरपोल से लगातार संपर्क और समन्वय किया गया। आरोपी के डिटेन होने की सूचना मिलने के बाद उसे भारत लाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। 31 अगस्त को एएसपी सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में एजीटीएफ की टीम जयपुर से दुबई रवाना हुई। टीम में डीएसपी रविंद्र प्रताप, पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ और राम सिंह नाथावत शामिल थे। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और समन्वय पूरा करने के बाद टीम करण आसवानी को अपने कब्जे में लेकर गुरुवार देर रात जयपुर पहुंची।

■ इस मामले में आरोपी कमल सिंधी के 3 साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं

उन्होंने बताया कि खोह नागोरियान थाने में 21 अगस्त 2025 को व्यापारी नरेन्द्र नाथ दत्ता के अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। परिवाद के अनुसार नरेन्द्र नाथ दत्ता 20 अगस्त को जयपुर स्थित अपने घर से वैशाली नगर जाने के लिए निकले थे। उनके साथ परिचित और कार चालक भी था। बाद में मोबाइल बंद आने पर परिजनों को चिंता हुई। अगले दिन उनके मोबाइल से फोन कर बताया गया कि नरेन्द्र नाथ दत्ता का अपहरण कर लिया गया है और उनकी रिहाई के लिए फिरौती की रकम की व्यवस्था करने को कहा गया।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपहृत व्यापारी नरेन्द्र नाथ दत्ता और उनके चालक योगेश को सुरक्षित छुड़ा लिया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने पुलिसकर्मी की वर्दी पहनकर नरेन्द्र नाथ दत्ता सहित अन्य लोगों का अपहरण किया था। अपहृत लोगों को अलग-अलग स्थानों पर बंधक बनाकर रखा गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने हर्ष गौतम, कनक गांगुली और अजय बेनीवाल उर्फ शाका को गिरफ्तार किया। हर्ष गौतम के कब्जे से अपहृत व्यक्तियों की इनोवा क्रिस्टा बरामद की गई। वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार भी पुलिस ने जब्त की। जांच में आगरा सहित अन्य स्थानों पर अपहृत लोगों को बंधक बनाकर रखने की जानकारी सामने आई।

जांच में करण आसवानी की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह लगातार फरार रहा। पुलिस जांच में उसके संगठित अपराध के सिंडिकेट से जुड़े होने की जानकारी सामने आई। न्यायालय से उसके खिलाफ वारंट जारी कराया गया। तलाश तेज होने के बाद पता चला कि करण देश छोड़कर दुबई भाग गया है। इसके बाद एजीटीएफ ने इंटरपोल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी तलाश शुरू की और आखिरकार उसे दुबई में पकड़ लिया गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार करण आसवानी उर्फ कमल सिंधी का आपराधिक इतिहास करीब ढाई दशक पुराना है। वर्ष 2000 में मुरलीपुरा थाने में उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस अब जयपुर लाकर उससे अपहरण, फिरौती और संगठित अपराध से जुड़े मामलों में पूछताछ कर रही है।

एक साल से फरार चल रहा मादक पदार्थ तस्कर उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार

पत्नी के साथ स्मैक का कारोबार चलाता था आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । आदर्श नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे कुख्यात तस्कर सोनू सांसी (30) को उत्तर प्रदेश के कोसी कलां (मथुरा) से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने जयपुर से आगरा, प्रयागराज और मथुरा तक आरोपी का पीछा किया और उसकी बुआ के घर पहुंचने से पहले घेराबंदी कर दबोच लिया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए केवल वाट्सऐप कॉल का इस्तेमाल करता था।

डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने सोनू की पत्नी रेखा सांसी को 7.15 ग्राम स्मैक और 17,200 रुपए के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने स्मैक पति द्वारा लाकर देने की बात बताई। सोनू ट्रांसपोर्ट नगर थाने के दो अन्य मामलों में भी वांछित था।

इस पर ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी छगन डांगी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। साइबर सेल की मदद से आरोपी के आगरा जाने की सूचना मिली। टीम ने यूपी पहुंचकर आगरा, प्रयागराज और मथुरा में उसका पीछा किया। कोसी कलां में आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

आदर्श नगर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में एक साल से फरार कुख्यात बदमाश सोनू सांसी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया।

■ पुलिस ने जयपुर से आगरा, प्रयागराज और मथुरा तक आरोपी का पीछा किया और उसकी बुआ के घर पहुंचने से पहले घेराबंदी कर दबोचा

ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी छगन डांगी ने बताया कि पुलिस के अनुसार सोनू सांसी के खिलाफ जयपुर पूर्व के ट्रांसपोर्ट नगर, जवाहर नगर और कानोता, जयपुर पश्चिम के मुरलीपुरा, दौसा के सैंथल और सीकर के दांतारामगढ़ थानों में एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम और बीएनएस की धाराओं में 14 मामले दर्ज हैं। उसकी पत्नी रेखा के खिलाफ भी एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के छह मामले दर्ज हैं और वह जेल में/जैर ट्रायल है। पुलिस आरोपी से स्मैक की सप्लाई चेन और उससे जुड़े अन्य तस्करों के बारे में पूछताछ कर रही है।

राज्यपाल ने किया भगवान श्रीकृष्ण का दुग्धाभिषेक

जयपुर । राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गौरांग इंस्टीट्यूट फॉर वैदिक एजुकेशन द्वारा आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने वहां हरिनाम संकीर्तन और भगवद्गीता के ज्ञान पर आधारित विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम में भी भागीदारी की। उन्होंने लड्डु गोपाल का दुग्धाभिषेक कर पूजा अर्चना भी की। राज्यपाल ने कहा कि श्रीकृष्ण जीवन की उत्सवधर्मिता से जुड़े हैं। श्रीकृष्ण युगन्धर हैं। उनका जीवन अतीत के मोह को त्याग कर जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और निष्काम कर्म का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में वासुदेव श्रीकृष्ण ने धर्म की रक्षा करने और उसका मार्ग दिखाने को ही इस सृष्टि का सबसे बड़ा सत्य और कर्तव्य बताते हुए हरेक को आदर्श कर्म की ओर चलने की पावन शिक्षा दी है। भगवान श्री कृष्ण का जीवन कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने और संघर्ष करते हुए जीवन के आलोक पथ का वरण करने का संदेश देता है।

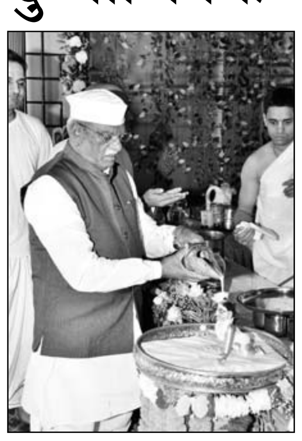

सीमेंट की ईंट से सिर फोड़कर मकान मालिक की हत्या करने वाला गिरफ्तार

मकान खाली करने के विवाद में किराएदार ने वारदात को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसरोवर क्षेत्र में मकान खाली करने और बकाया किराए को लेकर हुए विवाद में किराएदार ने मकान मालिक के सिर पर सीमेंट की ईंट से वारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी किराएदार को हिरासत में लिया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी सतीशचंद्र ने बताया कि रजत पथ निवासी दीपक कुलश्रेष्ठ ने मध्यम मार्ग स्थित अपना मकान महेश शर्मा को करीब तीन वर्ष से किराए पर दे रखा था। मकान खाली कराने और किराए के भुगतान को लेकर दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसके चलते महेश ने बुधवार को मकान खाली कर दिया था। इसके बाद गुरुवार देर शाम वह मकान की चाबी देने पहुंचा। इसी दौरान बकाया किराए और मकान खाली करने की बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच हाथापाई हो गई। इसी दौरान महेश ने मकान के चौक में पड़ी सीमेंट की ईंट उठाकर दीपक के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से दीपक लहूलुहान होकर फर्श पर गिर गए। आरोपी उन्हें मौके पर छोड़कर फरार हो गया। दीपक के काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिचित उन्हें तलाशते हुए मध्यम मार्ग स्थित मकान पर पहुंचे। वहां दीपक लहूलुहान हालत में पड़े मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें जयपुरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ पुलिस ने अन्य तकनीकी पहलुओं की भी जांच की। परिजनों की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा जा रहा है। मानसरोवर थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमभाया सरकार के दरबार में भक्ति संगीत

जयपुर । चांदपोल बाजार के जय लाल मुंशी का रास्ता स्थित युगल कुटीर में श्री प्रेमभाया मंडल समिति की ओर से रात सवा आठ से मध्यरात्रि तक भक्ति संगीत हुआ। मध्यरात्रि में श्री प्रेमभाया सरकार की जन्म आरती की गई। मंदिर श्री प्रेमभाया सरकार, श्री हरियुगल विहार, चंदलाई में भी रात 9:15 से 12 बजे तक भक्ति संगीत हुआ। श्री खोले के हनुमान मंदिर स्थित प्रेमभाया राधाकृष्ण मंदिर में पंचामृत, दूध और गंगाजल से अभिषेक कर चंदन का लेप लगाया गया। नवीन पोशाक धारण कराई गई। मध्यरात्रि में झालर, शंख, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच प्राकट्ययोत्सव मनाया गया।

सार-समाचार

मुहाना पुलिस ने दबोचा शातिर वाहन चोर

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की स्प्लेंडर प्लस बाइक भी बरामद की है। आरोपी पूर्व में नकबजनी और अवैध शराब तस्करी के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार मुहाना थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदात करने वाले शातिर वाहन चोर सुनील चौधरी उर्फ श्योराम (26) पुत्र बालूराम जाट, निवासी गांव चितौड़ा, थाना रेनवाल मांझी जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर ली गई। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ करणी विहार थाने में नकबजनी तथा मुहाना थाने में राजस्थान आबकारी अधिनियम का दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। उससे वाहन चोरी की अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना है। थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया ने बताया कि पुलिस की विशेष टीम ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

वार्ड 62 में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

जयपुर । नगर निगम चुनाव को लेकर वार्ड नंबर 62 में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। यहां भाजपा के प्रत्याशी रामअवतार शर्मा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन शुक्रवार को बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में वार्ड क्षेत्र के विकास, जनहित के कार्यों और स्थानीय मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। विधायक कैलाश वर्मा और पार्षद प्रत्याशी रामअवतार शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र और वार्ड के विकास के एजेंडे भी सामने रखे।

यादव समाज की संगोष्ठी 6 सितंबर को

जयपुर । यादव समाज में संस्कार, एकता, प्रेम, सम्मान और आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'संस्कार परिवर्तन द्वारा स्वर्णिम संसार' विशेष संगोष्ठी का आयोजन रविवार, 6 सितंबर को किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक डा. जी.एल. यादव ने बताया कि कार्यक्रम प्रातः 10:30 से दोपहर 1 बजे तक प्रभु निधि सभागार, राजयोग भवन, वैशाली नगर, जयपुर में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय की सुषमा दीदी होंगी। आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, वैशाली नगर, जयपुर द्वारा किया जा रहा है।

पूनियां ने किए गोविंददेवजी के दर्शन

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां ने जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव श्रीगोविंददेवजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और देशवासियों व प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

7.58 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्कूटी से घूम-घूमकर नशे की सामग्री बेचता था आरोपी

जयपुर । जयपुर पूर्व जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत जिला विशेष टीम (डीएसटी) और सांगानेर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7 ग्राम 58 मिलीग्राम अवैध स्मैक और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी जब्त की है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा के अनुसार सांगानेर इलाके में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस ने सूचना तंत्र विकसित कर कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने आरोपी श्रवण सांसी (35) निवासी मेहंदवास जिला टोंक हाल सिद्धार्थ नगर एयरपोर्ट जयपुर को गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बाहर से करीब 4 हजार रुपए प्रति ग्राम की दर से स्मैक खरीदकर लाता था। इसके बाद स्कूटी से शहर में घूम-घूमकर नशा करने वाले लोगों को छोटी-छोटी पुडिया या टोकन बनाकर 350 रुपए में बेचता था। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल था। उसके खिलाफ पूर्व में भी स्मैक और गांजा बेचने के मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। जब्त स्मैक और स्कूटी को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क और उसके अन्य संपर्कों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारसमल जैन और सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर दीपक खंडेलवाल के निर्देशन में की गई। डीएसटी प्रभारी सुखवीर सिंह और सांगानेर थानाधिकारी हरवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। कार्रवाई में डीएसटी के कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, राकेश और हेमंत की विशेष भूमिका रही। वहीं टीम में डीएसटी से उपनिरीक्षक बन्ना लाल, एएसआई छीतरमल, हेड कांस्टेबल तुलसीराम तथा सांगानेर थाना पुलिस से उपनिरीक्षक गोपाल लाल, हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

■ प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी करीब 4 हजार रुपए प्रति ग्राम की दर से स्मैक खरीदकर लाता था। इसके बाद स्कूटी से शहर में घूम-घूमकर नशा करने वाले लोगों को छोटी-छोटी पुडिया 350 रुपए में बेचता था।

कृष्णलीला से कंस वध तक झांकियां सजी

जयपुर । वैशाली नगर स्थित बीएपीएस श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में कृष्ण जन्म, गोकुल-गमन, पूतना वध और कंस वध पर आधारित झांकियां सजाई गईं। पंचामृत अभिषेक, पंजीरी प्रसाद और छप्पन भोग लगाया गया। बाल एवं युवा मंडल ने कृष्णलीला और नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। सत्संग सभा में भजन-कीर्तन, प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। बाल संस्कार, व्यसन मुक्ति और पारिवारिक शांति पर प्रदर्शनी भी लगाई गई।

जन्माष्टमी पर राजपार्क के कृष्ण परनामी मंदिर सहित शहर के अनेक मंदिरों में कृष्ण की बाल लीलाओं और जीवन प्रसंगों पर आधारित झांकियां सजाई गईं। कृष्ण जन्म, वासुदेव द्वारा कान्हा को गोकुल ले जाना, यशोदा संग बाल कृष्ण, माखन चोरी, गोचारण, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन धारण, कंस वध और इंद्र का घमंड चूर करने जैसे प्रसंग झांकियों में जीवंत हुए। वैशाली नगर, मानसरोवर, प्रतापनगर, मालवीय नगर, विद्याधर नगर और बनीपार्क सहित विभिन्न इलाकों की कॉलोनियों व सोसायटियों में भी झांकियां सजाई गईं।

वहीं गंगापोल बाहर बदनपुरा स्थित मंदिर श्री मुरली मनोहरजी में श्री वेंकटेश देवस्थान न्यास की ओर से आयोजन हुआ। स्वामी राघवेन्द्राचार्य के सान्निध्य में रात 8 बजे से मध्यरात्रि तक विशेष झांकी, श्रीमद्भागवत, विष्णु सहस्त्रनाम और भगवद्गीता का पारायण हुआ। सामूहिक भजन संध्या, हवन, कथा, अभिषेक और आरती के साथ पंचामृत व पंजीरी प्रसाद वितरित किया गया। यहां 6 सितंबर को दोपहर 2 बजे नंदोत्सव होगा।

मुरलीपुरा के विकासनगर विस्तार स्थित श्रीश्याम मंदिर में भी जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। गायत्री परिवार के मनु महाराज के सान्निध्य में दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम शुरू हुआ। महाआरती और भजन संध्या के साथ दही हांडी आकर्षण का केन्द्र रही। बड़ी संख्या में बच्चे कान्हा और राधारानी के स्वरूप में पहुंचे। श्याम प्रभु का लाखों रुपए के नोटों से विशेष श्रृंगार कर उन्हें सांवरिया सेठ का स्वरूप दिया गया। फूल बंगला झांकी भी सजाई गई।

■ सांवरिया सेठ की तरह मुरलीपुरा में श्याम प्रभु का नोटों से किया भव्य श्रृंगार, दही हांड़ी का भी आयोजन हुआ

जयपुर निगम चुनाव : 17 वार्डों में सीधी टक्कर होगी, 35 में त्रिकोणीय मुकाबला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नगर निगम चुनावों में नाम वापसी का समय निकलने के साथ ही अब तस्वीर साफ हो गई। राजधानी के 150 वार्डों के लिए अब कुल 723 प्रत्याशी मैदान में डटे हैं, जिनके लिए 11 सितंबर को जनता वोट करेगी। दिलचस्प बात ये है कि इस बार 150 वार्डों में से 17 वार्ड ऐसे हैं, जहां केवल दो-दो उम्मीदवार ही मैदान में हैं और उनके बीच सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा।

जानकारी के मुताबिक वार्ड नंबर 41, 42, 45, 49, 52, 53, 60, 83, 90, 91, 94, 122, 123, 129, 131, 142 और 150 ऐसे हैं, जहां केवल 2-2 प्रत्याशी ही बचे हैं। इन 17 वार्डों में नामांकन खारिज होने और नाम वापसी के बाद केवल 2-2 प्रत्याशी ही बचे हैं। इन वार्डों में आमने-सामने की सीधी टक्कर होगी। जबकि 35 वार्ड ऐसे भी हैं, जहां त्रिकोणिय मुकाबला देखने को मिल सकता है। इन 35 वार्डों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की संख्या 3-3 है।

जयपुर नगर निगम में सबसे ज्यादा कड़ा मुकाबला वार्ड संख्या 62 में है, जहां 13 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसके अलावा वार्ड संख्या 130 व 16 में प्रत्याशियों की संख्या 11-11 है और वार्ड संख्या 132 में प्रत्याशियों की संख्या 10 है।

■ सबसे ज्यादा कड़ा मुकाबला वार्ड संख्या 62 में है, जहां 13 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। इसी तरह वार्ड संख्या 130 व 16 में प्रत्याशियों की संख्या 11-11 है और वार्ड संख्या 132 में दावेदारों की संख्या 10 है।

निर्दलीय दावेदारों में अलमारी की डिमांड

जयपुर नगर निगम चुनावों की बात करें तो यहां ज्यादातर निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव चिह्न के लिए पहली प्राथमिकता अलमारी को दी। जिन वार्डों में ज्यादा निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में है, उनमें चुनाव चिह्न के आवंटन के लिए लॉटरी निकाली गई। वार्ड संख्या 62 में यहां 9 उम्मीदवार निर्दलीय है, जिसके चलते यहां चुनाव चिह्न आवंटन के लिए लॉटरी निकाली गई।

8 चुनाव चिह्न रिजर्व, 40 ओपन रखे

निर्वाचन आयोग ने इस बार नगरीय निकाय चुनावों में 8 चुनाव चिह्न रिजर्व रखे है। इसमें 6 राष्ट्रीय दल (कांग्रेस, बीजेपी, आप, बीएसपी, सीपीआई(एम) और एनपीपी) शामिल है। जबकि दो राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल (आरएलपी और भारत आदिवासी पार्टी) शामिल है। इनके अलावा आयोग ने 40 चुनाव चिह्न इन चुनावों के लिए जारी किए है, जो ओपन रखे है। इन चुनाव चिह्नों में से प्राथमिकता के आधार पर प्रत्याशियों ने मांग रखी थी।

इन ओपन चुनाव चिह्नों में अलमारी, चप्पलें, सेब, कोट, गुब्बारा, चारपाई, चूड़ियां, मिक्सी, मोतियों का हार, पेंसिल डिब्बा, बेंच, तकिया, आदमी व पाल युक्त नौका, बिजली का खंभा, बक्सा, बांसुरी, ईंटें, बाल्टी, फ्रॉक, रेफ्जिरेटर, लिफाफा, टेलीविजन, फव्वारा, टेलीफोन, फूलगोभी, गैस का चूल्हा, जंजीर, टॉफिया, चक्की, साइकिल पम्प, अंगूर, आरी, हरी मिर्च, स्कूल का बस्ता, हाथ गाड़ी, कैंची, हारमोनियम, सिलाई की मशीन, आईसक्रीम और जूता है। इसमें ज्यादातर प्रत्याशियों ने आवंटन के लिए अलमारी, बांसुरी, टेलीविजन, सिलाई की मशीन, टेलीफोन और सेब की डिमांड की।

यादव समाज ने निकाली शोभायात्रा

भगवान श्रीकृष्ण की झांकी और जयकारों से गूंजा शहर

जयपुर । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर यादव युवक मंडल जयपुर राजस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को यादव समाज की ओर से भव्य श्रीकृष्ण शोभायात्रा निकाली गई। कनक बिहारी मंदिर के महंत सियाराम दास महाराज, महामंडलेश्वर शंकर बाबा एवं निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने मुख्य रथ की विधिवत आरती उतारकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में यादव समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकी और धार्मिक वातावरण ने आयोजन को आकर्षक बनाया।

शोभायात्रा न्यू पीपुल्स एकेडमी स्थित सीतारामजी के मंदिर उनियारों का रास्ता से रवाना होकर छोटी-बड़ी चौपड़ सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यादव समाज मंदिर घोसियों का रास्ता रामगंज पहुँची। इस दौरान पूरे मार्ग में 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष गूंजते रहे। भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था एवं श्रद्धा प्रकट की।शोभायात्रा में समाज के युवाओं के साथ-साथ महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। जयपुर शहर उपाध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज में एकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता को मजबूत करना है। निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने जन्माष्टमी पर आयोजित भव्य शोभायात्रा को लेकर कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, प्रेम और कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। शोभायात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इस मौके पर अहीर जन जागृति से सुमित यादव, राजेश यादव, भरत यादव, मंजू यादव, विपिन यादव, राकेश यादव, मुकेश यादव, राम सिंह यादव, विनोद यादव, अक्षय यादव, अनिल यादव, अभय यादव, तेजपाल यादव, रमेश यादव, प्रेमचंद यादव और ओम प्रकाश यादव सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

ARBIT it happens here...

Inspiring Acts of Giving

Observed on September 5, the International Day of Charity promotes compassion, solidarity, and generosity across the globe. Established to honour the memory of Mother Teresa, it serves as a reminder that even small acts of kindness can make a big difference. The day encourages individuals, communities, and organisations to support causes that address poverty, hunger, education, and healthcare. From volunteering time to donating resources, it's an opportunity to foster a culture of empathy and shared responsibility. In an increasingly divided world, the International Day of Charity unites people through the universal language of giving and the hope it inspires.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
05 September 2026
A-B

#HEALING TRADITIONS

Aboriginal Australian Bone Care and Medicine

Traditional healing was based on detailed knowledge of the environment, observation of symptoms, and generations of accumulated experience

For tens of thousands of years, Aboriginal Australian communities have developed deep knowledge of the natural world, including the healing properties of plants, the management of injuries, and methods of caring for the body. Their medical traditions reflect careful observation, practical experience, and a profound understanding of the relationship between humans and the environment.

Among these traditions, the treatment of injuries such as fractures and wounds was an important part of community health knowledge. Skilled healers used techniques passed down through generations, including immobilization methods, splinting with natural materials, massage, and the application of plant-based remedies. Their understanding of anatomy and recovery developed through long-term observation rather than written medical texts.

Eucalyptus trees held a significant place in Aboriginal cultures. Different species were used in various ways, including for cleansing, treating respiratory problems, soothing skin conditions, and supporting general wellbeing. The leaves, oils, and bark contained compounds that modern science has studied for their antimicrobial and anti-inflammatory properties. However, the use of eucalyptus in traditional practices varied widely between Aboriginal nations, and it should not be assumed that all communities used the same methods.

The ability of traditional healers to recognize injuries, care for fractures, and support recovery demonstrates a sophisticated form of practical medicine. Archaeological studies of Aboriginal remains have shown evidence of serious injuries that healed successfully, suggesting that communities possessed effective ways of caring for people who suffered trauma.

Traditional healing was not based on machines, hospitals, or modern pharmaceuticals, but on detailed knowledge of the environment, observation of symptoms, and generations of accumulated experience. These practices remind modern medicine that valuable knowledge can exist outside formal scientific institutions.

Today, researchers continue to study Indigenous medical knowledge with respect, exploring how traditional plant use, ecological understanding, and community-based healthcare may contribute to modern approaches. The goal is not to replace contemporary medicine, but to recognize and learn from the wisdom developed by Aboriginal people over thousands of years.

The history of Aboriginal Australian healing is a story of resilience, intelligence, and a deep connection between culture and nature. It represents one of the world's oldest continuing traditions of health knowledge.

Two Traditions One Ancient Chemistry

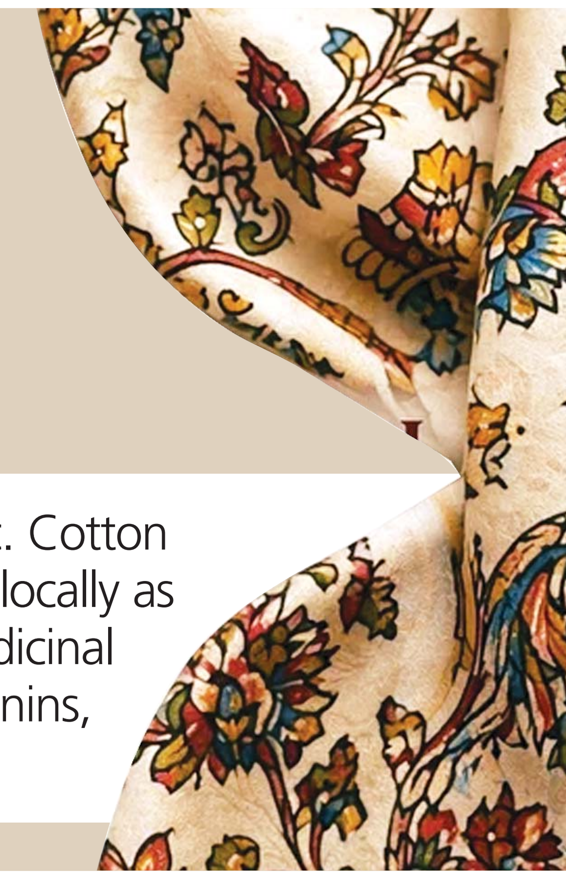

The journey of both Ajrakh and Kalamkari begins not with colour, but with preparing the fabric. Cotton cloth is first soaked in a solution made from myrobalan, the fruit of Terminalia chebula. Known locally as Harad or Haritaki, this nutrient-rich fruit has been valued for centuries in Ayurveda for its medicinal properties. In textile dyeing, however, it plays an equally remarkable role. Rich in natural tannins, myrobalan acts as a mordant, enabling natural dyes to bind firmly to the fibres.

#AJRAKH AND KALAMKARI

● Kshema Jatuhkarna

India's textile heritage is as diverse as its landscapes. Among its most celebrated traditions are Ajrakh, the intricate hand-block printed textile of Kutch in Gujarat, and Kalamkari, the exquisite textile art of Andhra Pradesh. Separated by nearly 1,500 kilometres, these two crafts appear strikingly different at first glance. Ajrakh is known for its bold geometric patterns, symmetrical designs, and rich combinations of indigo, red, black, and white. Kalamkari, on the other hand, is famous for its flowing narratives, floral motifs, temple art, and depictions of mythological stories.

Despite their visual differences, these two textile traditions are united by an extraordinary foundation, their reliance on the same ancient knowledge of natural dyes and textile chemistry. Long before the advent of synthetic colours, Indian artisans mastered sophisticated methods of preparing fabric and extracting colours from plants and minerals, creating textiles that remain vibrant for generations.

The journey of both Ajrakh and Kalamkari begins not with colour, but with preparing the fabric. Cotton cloth is first soaked in a solution made from myrobalan, the fruit of Terminalia chebula. Known locally as Harad or Haritaki, this nutrient-rich fruit has been valued for centuries in Ayurveda for its medicinal properties. In textile dyeing, however, it plays an equally remarkable role. Rich in natural tannins, myrobalan acts as a mordant, enabling natural dyes to bind firmly to the fibres. Without this crucial treatment, the colours would not achieve their characteristic brilliance or permanence.

> In both Ajrakh and Kalamkari, the first stage is creating the outlines using black dye. This deep, permanent black is produced through an ingenious natural process. Iron particles are soaked in a solution of jaggery and water, where fermentation gradually converts the mixture into iron acetate. When applied to the tannin-rich fabric, it reacts chemically to produce a rich, durable black colour.

Once the fabric has been prepared, the printing process begins. In both Ajrakh and Kalamkari, the first stage is creating the outlines using black dye. This deep, permanent black is produced through an ingenious natural process. Iron particles are soaked in a solution of jaggery and water, where fermentation gradually converts the mixture into iron acetate. When applied to the tannin-rich fabric, it reacts chemically to produce a rich, durable black colour. This elegant use of chemistry has been perfected over centuries and remains one of the defining features of both traditions.

The term 'Kalamkari' literally translates to pen craft. It is a 3,000-year-old craft that is based in Andhra Pradesh and Telangana. Using a bamboo pen and natural dyes, artisans create mythological stories on fabric. With themes from epics like the Ramayana and Mahabharata and other local folklore, these artisans painstakingly hand-paint scenes in a step-by-step process.

The vibrant red shades found in both crafts are obtained from the roots of the madder plant (Rubia cordifolia), known locally as Majith or Manjistha. These roots contain alizarin, a natural pigment responsible for producing a range of colours from rust and brick red to deep maroon. Depending on the concentration of the dye and the mordants used, artisans can create subtle variations in tone while maintaining the richness associated with natural dyes.

The iconic blue found in Ajrakh, and used selectively in Kalamkari, is derived from indigo (Indigofera tinctoria). Indigo is one of the oldest natural dyes known to humanity. The leaves are soaked and fermented to produce a dye solution. When the dyed fabric is removed from the vat and exposed to air, oxidation transforms the invisible dye into the brilliant deep blue that has become synonymous with Indian textiles. This transformation, where colour emerges only after contact with oxygen, continues to fascinate both scientists and artisans.

Ajrakh is more than just a print; it is a tradition rooted in nature and geometry. Ajrakh originated in Sindh (now in Pakistan) and eventually flourished in Kutch, Gujarat. The process consists of multiple rounds of dyeing and printing, and often consists of two primary dyes: indigo and madder. The designs are geometric, repetitive, and balanced, representing the idea of living in harmony with nature and centuries of cultural symbolism.

Neither Ajrakh nor Kalamkari is produced in a single step. Each colour is applied separately, and after every stage of printing or dyeing, the fabric is carefully washed and dried before the next layer is added. This repeated sequence of printing, washing, drying, and dyeing ensures that every colour develops correctly without contaminating the others. Depending on the complexity of the design, the entire process may take several weeks to complete.

These painstaking techniques illustrate that India's traditional textile arts are not merely decorative crafts, they are repositories of scientific knowledge passed down through generations. Every stage reflects a deep understanding of botany, chemistry, fermentation, mineral reactions, and environmental conditions, all achieved without synthetic chemicals.

Ajrakh and Kalamkari may have evolved in different regions, speak different artistic languages, and employ different motifs, yet, they are connected by a shared scientific heritage. Their colours are drawn from the same plants, their fabrics are prepared using the same natural mordants, and their artisans rely on the same principles of chemistry that have sustained these traditions for centuries.

Together, these two remarkable crafts demonstrate that India's textile heritage is not simply an expression of artistic creativity, it is also a testament to the country's profound understanding of natural materials, sustainable practices, and indigenous science, knowledge that remains as relevant today as it was hundreds of years ago.

To identify authentic Ajrakh, look for a double-sided print, an earthy color palette of deep indigo and madder red, tiny hand-block imperfections, and a soft texture with a mild, organic smell. Machine or digital fakes feature blank or faded backsides, neon synthetic colours, and rigid chemical-treated fabrics.

> Ajrakh and Kalamkari may have evolved in different regions, speak different artistic languages, and employ different motifs, yet, they are connected by a shared scientific heritage. Their colours are drawn from the same plants, their fabrics are prepared using the same natural mordants, and their artisans rely on the same principles of chemistry that have sustained these traditions for centuries.

Key Signs of Real Ajrakh

- **Double-Sided Visibility:** Flip the fabric over. Real hand-block printed and natural-dyed Ajrakh shows the pattern clearly on the reverse side because the dye soaks deep into the fibers.
- **Earthy Colour Palette:** Expect deep indigo blues, rich madder reds, black, and subtle mustard or green. Colours are never bright, neon, or shiny.
- **Handmade Imperfections:** Look for tiny overlaps, slight misalignments where wooden blocks meet, and minor spacing breaks. Perfect mathematical uniformity points to a machine or screen print.
- **The Smell and Feel:** Authentic pieces are washed in natural ingredients like soap nut and mud during the lengthy process. They carry a faint earthy scent and feel breathable rather than starchy or stiff.
- **Geometric Symmetry:** The core visual language relies on complex, grid-like geometric patterns and star or floral motifs inspired by nature.

To identify an authentic, hand-painted or block-printed Kalamkari saree, look for organic and earthy colour tones, minor human imperfections in the line work, colour bleed on the reverse side of the fabric, and a faint, distinct earthy or dairy-like scent. Machine-made or digital fake prints look far too pixel-perfect and clean.

Key Signs of Authenticity of Kalamkari

- **Look for Imperfections:** Real hand-painted Kalamkari uses a bamboo or tamarind pen (kalam) or hand-carved blocks. Expect slight asymmetry, minor line variations, and tiny color smudges rather than computer-perfect symmetry.
- **Check the Reverse Side:** Turn the saree inside out. Authentic hand-painted fabrics show soft color seepage and dye penetration on the back, whereas digital or screen prints often look faint or completely clean on the reverse.
- **Examine the Colours:** Traditional dyes come from natural elements like roots, plants, and crushed minerals (such as indigo, turmeric, and madder). The palette remains deep, muted, and earthy, never neon or artificially brilliant.
- **The Earthy Smell Test:** The traditional preparation process involves treating and washing the cloth multiple times in milk and myrobalan. Fresh, genuine pieces often retain a faint, distinct earthy or fermented-dairy aroma.
- **Inspect the Motifs:** True Kalamkari often depicts traditional folklore, peacocks, flowing vines, and intricate mythological storytelling rather than repetitive, pixelated patterns.

rajeshsharma1049@gmail.com

#THE MUSICAL MIRACLE

When K. Asif Brought Ustad Bade Ghulam Ali Khan to Cinema

Naushad then asked how he was supposed to take this no to Asif? The Ustad replied that he would quote such a high fee that the filmmaker would walk away

In the year 1950, visionary filmmaker K. Asif embarked on creating what would become one of the greatest cinematic epics in Indian history, *Mughal-e-Azam*. A grand portrayal of love, sacrifice, and royal conflict, the film brought together some of the most celebrated artists of Indian cinema, including Prithviraj Kapoor, Dilip Kumar, Madhubala, and Durga Khote.

While the film's magnificent sets, powerful performances, and unforgettable dialogues became legendary, its music created a separate legacy. For the soundtrack, K. Asif entrusted the responsibility to the great composer Naushad, who crafted a musical world deeply rooted in Hindustani classical traditions and the grandeur of the Mughal court.

Among the many challenges before Naushad was finding the perfect voice for the legendary character of Tansen. The filmmaker wanted a voice that carried the authority, purity, and spiritual depth associated with India's greatest classical musicians. There was only one name that seemed worthy, Ustad Bade Ghulam Ali Khan.

However, approaching the maestro was not easy. Ustad Bade Ghulam Ali Khan had always maintained a distance from films and had avoided associating himself with commercial music. He believed that classical music belonged to a higher artistic space and was not meant to be shaped by the demands of cinema.

Yet, K. Asif was determined. He requested Naushad to meet the great Ustad and convince him to lend his voice to Mughal-e-Azam. Naushad was hesitant, knowing the musician's principles, but he respected the director's vision and reached out to the maestro.

Bade Gulam Ali Khan, Lata Mangeskar and Meera Banargee.

At first, Ustad Bade Ghulam Ali Khan refused. Naushad then asked how he was supposed to take this no to Asif? The Ustad replied that he would quote such a high fee that the filmmaker would walk away.

K. Asif, who was observing the conversation while smoking his cigar, responded calmly. The maestro finally said that he would sing, but his fee would be Rs. 25,000. At a time when many playback singers earned around Rs. 500 per song, the amount was extraordinary.

Everyone expected the demand to end the discussion. Instead, K. Asif immediately agreed.

Ustad Bade Ghulam Ali Khan was surprised and told him to reconsider. K. Asif said that his voice is priceless. The filmmaker's determination convinced the maestro, and history was created. The result was the unforgettable classical masterpiece "Prem Jogan Ban Ke," a song portraying a deeply emotional moment between Salim and Anarkali. Sung by Ustad Bade Ghulam Ali Khan in the majestic Raga Sohini, the composition captured the delicate emotions of love, longing, and separation.

The song represented the transition between night and dawn, the quiet hours between 3 and 6 in the morning, when darkness slowly gives way to the first light of day. During the recording, Ustad Bade Ghulam Ali Khan suggested the use of *Shuddha Madhyam* in the latter part of the composition. Naushad initially explained that this movement went beyond the traditional structure of Raga Sohini.

However, the composer had a deeper musical vision. He explained that the subtle appearance of Shuddha Madhyam hinted towards the mood of Raga Lalit, a raga associated with the early hours before sunrise. It was not merely a musical change; it was a poetic expression. The shift suggested that dawn was approaching, gently reminding the lovers that the night was ending and their moment together would soon have to come to a close.

This artistic understanding between Naushad and Ustad Bade Ghulam Ali Khan transformed a song into an immortal piece of musical storytelling. Mughal-e-Azam was not just a film; it became a meeting point of cinema, classical music, and cultural heritage, a timeless example of how great artists can create magic when tradition and imagination come together.

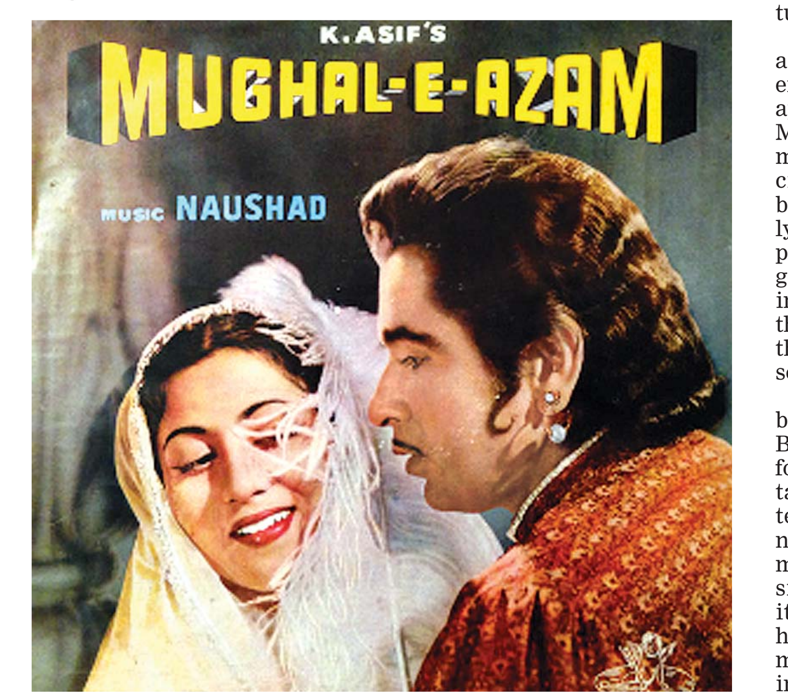

THE WALL

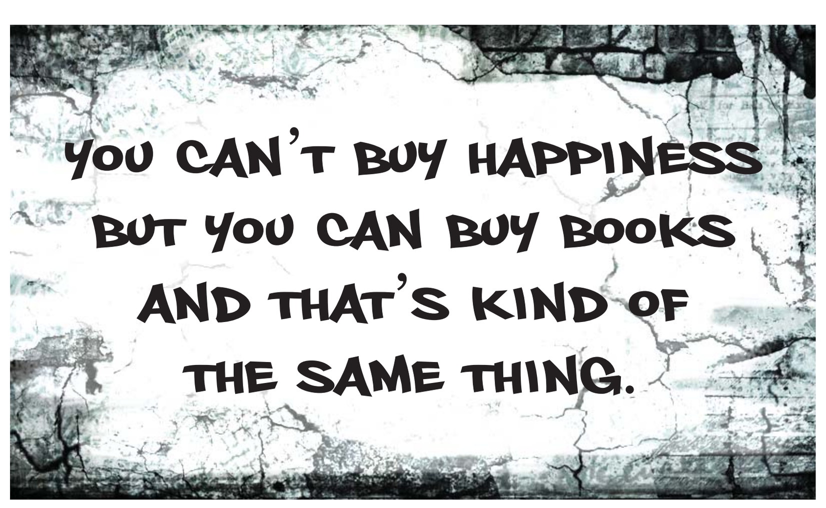

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

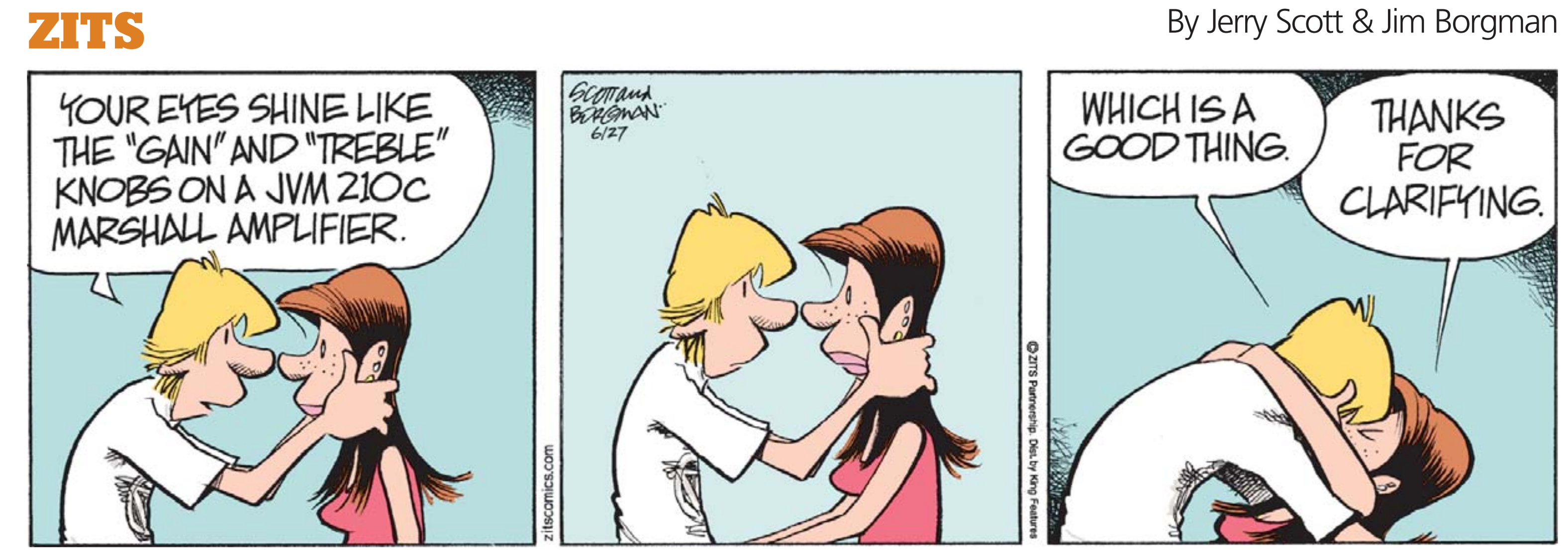

राजलदेसर में मकान से 10 लाख के जेवर और डेढ़ लाख की नकदी चोरी

छत के रास्ते मकान में दाखिल हुए बदमाश, पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए

राजलदेसर, (निसं)। कस्बे में चोरी की वारदात घटित हुई। वार्ड नंबर 17 में हाई स्कूल के पीछे स्थित एक मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपए का सामान और नकदी चोरी कर ली। चोर करीब 10 लाख रुपए कीमत का सोना-चांदी का सामान और 1 लाख 50 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 17, हाई स्कूल के पीछे निवासी पवन कुमार सोनी कुकरा के मकान में रात करीब 1:30 बजे अज्ञात चोर छत के रास्ते से घर में दाखिल हुए। इसके बाद चोरों ने घर के अंदर स्थित दुकान की तिजोरी को निशाना बनाया और उसमें रखी चांदी, सोने के सामान तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक पवन कुमार सोनी ने बताया कि वे चांदी के सामान बनाने का मजदूरी का कार्य करते हैं। चोरी की घटना से एक दिन पहले ही वे सामान तैयार करने के लिए चांदी लेकर आए थे। तिजोरी में 2 किलो फाइन चांदी,

राजलदेसर में चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

3 किलो 400 ग्राम कच्ची चांदी, चांदी की 5 जोड़ी पायल, चांदी के 5 सिक्के, 10 ग्राम सोना तथा 1 लाख 50 हजार रुपए नकद रखे हुए थे। चोर इन सभी सामान को लेकर फरार हो गए। परिवार के अनुसार जिस समय चोरी की वारदात हुई, उस समय घर के सदस्य अपने कमरों में सो रहे थे। चोरों ने छत के रास्ते मकान में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए। चोरी का पता चलने पर परिवार के लोगों के होश उड़ गए।

चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का

- तिजोरी में रखी दो किलो फाइन चांदी, तीन किलो 400 ग्राम कच्ची चांदी सहित सोने-चांदी के आभूषण चोरी

मौका मुआयना किया।

पुलिस ने घर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए संभावित साक्ष्य जुटाए और परिवार के सदस्यों से घटना की जानकारी ली। पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों की तलाश और मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिवार में गहरा रोष और दुख है। वहीं, वार्ड में भी चोरी की वारदात को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। वार्ड के लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की वारदात का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। हालांकि आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

हथियारों के साथ घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देशी कट्टे और दो जिंदा

- दो विधि से संघर्षरत बालक निरुद्ध, दो देशी कट्टे, दो जिंदा कारतूस और कैंपर जब्त

कारतूस बरामद किए हैं। इसके साथ ही वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की बोलेरो कैंपर को भी जब्त किया गया है।

जानकारी के लिये अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार 3 सितंबर को थाना प्रागपुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सालासर क्रशर, बुचारा के पास एक सफेद रंग की बिना नंबर की कैंपर घूम रही है, जिसमें 3-4 संदिग्ध व्यक्ति बैठे हैं। उनके पास हथियार होने की आशंका है और वे किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी भजनाराम पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। पुलिस ने सालासर

प्रागपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बरामद किये।

क्रेशर बुचारा के पास पहुंचकर वाहन की तलाश शुरू की। इसी दौरान कैंपर के भूरी भड़ाज की ओर जाने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया तो चालक कैंपर को तेज गति से भगाते हुए भूरी भड़ाज से धालेड़ा होते हुए ढाणी रामनगर और सोता नदी की ओर ले गया। इसी दौरान कैंपर का टायर फट गया। वाहन सवार उसे मौके पर छोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर सभी संदिग्धों को डिटेन कर लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से दो देशी कट्टे और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान गगन सैनी (20) निवासी सरूण्ड, थाना प्रागपुरा तथा करण जांगिड उर्फ गोलू (21) निवासी बामला, थाना सदर भिवानी, हरियाणा के रूप में हुई। इनके साथ दो विधि से संघर्षरत बालक भी मिले, जिन्हें निरुद्ध किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों गगन सैनी पुत्र संजय कुमार माली, निवासी बस स्टैंड के पास सरूण्ड, थाना प्रागपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़, करण जांगिड़ उर्फ गोलू पुत्र सतीश जांगिड़, निवासी बामला, थाना सदर भिवानी, जिला भिवानी, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया तथा हथियारों और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बोलेरो कैंपर को कब्जे में ले लिया। मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से बरामद हथियारों के स्रोत, इनके आपराधिक नेटवर्क तथा किसी संभावित वारदात की योजना के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

भीलवाड़ा में खाद्य सुरक्षा टीम ने 25 किलो दूषित मिल्क केक नष्ट करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिले में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भण्डार, कोटड़ी चौराहा, सवाईपुर का निरीक्षण कर गुलाब जामुन एवं मिल्क केक के नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान 25 किलोग्राम दूषित मिल्क केक पाया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इसी प्रकार पारवानी ट्रेडर्स, त्रिवेणी चैराहा से मिर्च पाउडर एवं हल्दी पाउडर के नमूने लिए गए। सभी नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, अजमेर भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव एवं साक्षी जैन मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटखोरी एवं अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि खाद्य सामग्राी खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्माण एवं समाप्ति तिथि की जांच अवश्य करें। किसी भी प्रकार की मिलावट की आशंका होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यालय के दूरभाष नंबर पर सूचना दी जा सकती है।

सैन्यकर्मी को युवती ने ब्लैकमेल का शिकार बनाया

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में एक सैन्यकर्मी को युवती से दोस्ती करनी अब भारी पड़ रही है। युवती उसे ब्लैकमेल पर उतर आई है और केसबाजी के लिए धमका रही है। तंग व परेशान होकर सैन्यकर्मी ने उसके बैंक खाते में 50 हजार रूपए डाले। वह ब्लैकमेल कर अब और धमका रही है। पीड़ित सैन्यकर्मी की तरफ से बनाड़ थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया गया है। पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है। मामले में हनी ट्रेप की भी आशंका जताई जाती है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि पीड़ित सैन्यकर्मी की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसकी जान पहचान तकरीबन दो साल पहले एक युवती से हुई थी। जिस पर दोस्ती होने के साथ वह उससे व्यक्तिगत मिला था। अब युवती अपने किसी परिचित के साथ मिलकर उसे ब्लैकमेल कर रही है। वह दो लाख की डिमाण्ड कर रही थी। तब तंग और परेशान होकर उसने 50 हजार रूपए उसके खाते में डाल दिए। युवती उसे केसबाजी में फंसाने की धमकी देकर और डिमाण्ड कर रही है। पुलिस ने बताया कि सैन्यकर्मी की तरफ से रिपोर्ट दी गई है, जिस पर अब जांच आरंभ की गई है। युवती जोधपुर की ही रहने वाली बताई जाती है।

खेतों से मोटर व केबल चुराने वाला गिरोह पकड़ा

पुलिस ने छह शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। आसीन्द थाना क्षेत्र में किसानों के कुओं एवं ट्ययूबवेलों से सिंचाई की मोटर और केबल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का आसींद थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरोह के 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने कड़ाई से की गई पूछताछ में आसींद थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से करीब 20 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को पीड़ित गौरीशंकर पिता रामेश्वर व्यास, निवासी ब्राह्मणों की सरेरी थाना आसींद ने मामला दर्ज कराया था। पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि 11 अगस्त की शाम जब वे खेत पर गए तो बोरिंग की 3 एचपी सीआरआई मोटर तथा 354 फीट लंबी केबल गायब थी। अज्ञात चोर पाइप काटकर मोटर-केबल चुरा ले गए थे। इस शिकायत के बाद क्षेत्र में दर्ज अन्य समान चोरी की शिकायतों को

- पूछताछ में 20 चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया

मिलाकर पुलिस ने 4 केस दर्ज कर गहन जांच शुरू की। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के नेतृत्व में थानाधिकारी श्रद्धा पचौरी की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने सादा वस्त्रों में रात्रिकालीन विशेष गश्त शुरू की। गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 6 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई, तो उन्होंने चोरी की करीब 20 वारदातों का खुलासा कर दिया। पुलिस ने छहों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी का माल बरामद करने के लिए गहन पूछताछ जारी है। पुलिस ने आरोपी मोहन बागरिया, गोपाल बागरिया, प्रकाश बागरिया, पोखर बागरिया, सावरिया उर्फ सांवरलाल बागरिया, रामस्वरूप बागरिया को गिरफ़्तार किया।

छह माह से फरार शातिर लुटेरा गिरफ्त में

भीलवाड़ा, (निसं)। कोटड़ी थाना पुलिस ने क्षेत्र में चाकू की नोक पर वृद्ध महिला से लूट करने के मामले में पिछले 6 माह से फरार चल रहे शातिर बदमाश विशाल उर्फ विकास मोग्या को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

मामला 9 फरवरी का है, जब कोटड़ी थाना क्षेत्र के जैतपुर रोड पर एक वृद्ध महिला को चाकू दिखाकर सोने का रामनामी मांदलिया लूट लिया गया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाई जा रही कार्रवाई के तहत, कोटड़ी थानाधिकारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने इस वारदात के दूसरे आरोपी विशाल उर्फ विकास (19) निवासी भाणुजा डांग, थाना निकुम्भ, जिला चित्तौड़गढ़ को मांडलगढ़ सब जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर प्राप्त किया। पूछताछ के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले में पुलिस पूर्व में ही 9 अप्रैल को मुख्य आरोपी गोवर्धन मोग्या को गिरफ्तार कर लूटा हुआ माल बरामद कर चुकी है।

खिलौने बेचने वाले ने झील में कूदी युवती को बचाया

फतहसागर झील की पहली छतरी पर आकर पानी में कूद गई थी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की फतहसागर झील पर शुक्रवार दोपहर एक और हादसा होते बच गया। पाल पर साइकिल पर अपनी छोटी सी खिलौने की दुकान लगाने वाले मुकेश ने साहस का परिचय देते हुए पानी में छलांग लगा युवती को बचा लिया।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2.30 बजे एक युवती फतहसागर झील की पहली छतरी की तरफ दौड़ती हुई आई और पानी में छलांग लगा दी। छलांग लगाने के साथ ही वहां मौजूद पर्यटकों ने जब युवती को डूबते हुए देखा तो चिल्लाने लगे। इस पर पास ही खिलौने की दुकान लगाने वाले मुकेश वैष्णव दौड़ते हुए वहां पहुंचे और कपड़ों सहित पानी में कूद गए और युवती पानी में डूबती इससे पहले उसे बचा लिया है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पूर्व ही इसी तरह एक युवती मुंबईयां बाजार के समीप फतहसागर झील में कूद गई थी जिसे भी सुरक्षित बचा लिया गया था।

मुकेश ने अब तक छह से सात जिंदगियों को बचाया है और जिला स्तर पर उनके इस साहस को लेकर सम्मान भी हो चुका है। झील में आए दिन होने वाली डूबने की घटनाओं को देखते हुए उन्होंने सुरक्षा के लिए अपने पास रस्सी, टॉर्च, टायर, ट्यूब सहित जरूरी सामग्री रखना शुरू कर दिया है। मुकेश स्वयं उपवास पर थे, इसके बावजूद एक पल भी पीछे हटने के बारे में नहीं सोचा। उनकी इस बहादुरी और मानवीय संवेदना की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की। मुकेश वैष्णव प्रतिदिन फतहसागर की पाल पर खिलौने की दुकान लगाते हैं। मुकेश का कहना है कि किसी की जान बचाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

दिनदहाड़े घर के ताले तोड़कर छह तोला सोने के आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती लूणी थाना क्षेत्र के उत्तेसर गांव में अज्ञात चोर एक मकान के ताले तोड़कर करीब 6 तोला सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। वारदात उस समय हुई, जब मकान मालिक की पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई हुई थी। घर की देखरेख पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार करते थे।

लूणी पुलिस ने बताया कि सेनई रोड, उत्तेसर निवासी भगाराम चौधरी पुत्र तुलछाराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनका गांव में भी मकान है और परिवार के कुछ लोग जोधपुर में रहते हैं। 31 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे उनकी पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई थी।

- वारदात के समय मकान मालिक की पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई हुई थी

घर के मुख्य कमरों की चाबियां भी वह अपने साथ जोधपुर ले आई थी, जबकि बाहर लॉबी की चाबी पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार के पास थी। 2 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे रिश्तेदार की पत्नी घर पहुंची तो उस समय सब कुछ व्यवस्थित था। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे दोबारा घर पहुंचने पर मुख्य कमरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा हुआ था। सूचना मिलने पर भगाराम चौधरी की पत्नी ने उन्हें फोन किया। उस समय वह बालोतरा में थे। उन्होंने तत्काल लूणी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उनकी पत्नी करीब 4 बजे गांव पहुंची और घर की जांच की तो सोने का रखड़ी सेट करीब 4 तोला और कंठी करीब 2 तोला गायब मिली। अज्ञात चोर ताले तोड़कर आभूषण चोरी कर ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस करीब 5 बजे मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। जांच अब एएसआई भगवानराम की तरफ से की जा रही है।

गांजा सहित महिला गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। कैथून व डीएसटी टीम ने ग्रामीण इलाके में संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा 3.165 किलोग्राम सहित महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार के नेतृत्व में कैथून पुलिस व डीएसटी टीम ने इलाके में संयुक्त रूप से ताथेड़ पुलिया के नीचे सुल्तानपुर रोड पर कार्यवाही करते हुए एक महिला पर संदेह होने पर डिटेन कर तलाशी ली तो तलाशी के दौरान महिला हसीना के पास से 3.165 किलोग्राम गांजा मय बारदाना बरामद किया।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मसूरिया नट बस्ती एरिया में एक युवक ने अत्यधिक शराब का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

देवनगर पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश के मंदसौर स्थित सुरजना शामगढ़ निवासी सौदानसिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई नारायण सिंह यहां जोधपुर में रहकर मजूदरी करता था। उसने मसूरिया नट बस्ती एरिया में ठेके से शराब लेकर ज्यादा सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

राज्य उपभोक्ता आयोग के बीमा कंपनी के विरुद्ध आदेश पारित

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग की जोधपुर पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु का संबंध किसी पूर्व बीमारी से नहीं होकर स्वाभाविक मृत्यु हुई है, तो बीमा कंपनी केवल पूर्व में हुई बीमारी का हवाला देकर बीमा दावा अस्वीकार नहीं कर सकती। आयोग ने बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को सही माना।

मामले में बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने सिरोही जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील प्रस्तुत की थी। बीमा कंपनी का कहना था कि बीमित तलकराम जून 2012 से दिसंबर 2012 तक क्षय रोग से पीड़ित रहा था। वर्ष 2015 में बीमा पॉलिसी लेते समय

- स्वाभाविक मृत्यु पर बीमा कंपनी को दावा राशि देनी होगी

उसने इस बीमारी की जानकारी छिपाई थी। वर्ष 2015 में उसकी मृत्यु के बाद इसी आधार पर बीमा दावा अस्वीकार किया गया। वहीं, बीमित के पुत्र की ओर से आयोग को बताया गया कि उनके पिता ने दिसंबर 2012 तक करीब छह माह तक क्षय रोग का उपचार जरूर लिया था, लेकिन उपचार के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए थे और उनका वजन भी बढ़ गया था। जनवरी 2015 में बीमा पॉलिसी ली गई थी तथा पिता की मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई थी। इसलिए परिवार करीब 11 लाख रुपए की दावा राशि पाने का अधिकारी है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छावाहा एवं सदस्य लियाकत अली ने अपने निर्णय में कहा कि बीमित की मृत्यु का संबंध पूर्व बीमारी से होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। बीमा कंपनी की ओर से वर्ष 2012 के बाद बीमित द्वारा बीमारी का कोई उपचार करवाए जाने संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। जांच अधिकारी की ओर से किसी चिकित्सक अथवा एएनएम के बयान या शपथपत्र भी पेश नहीं किए गए। आयोग ने इन तथ्यों के आधार पर बीमा कंपनी की अपील अस्वीकार करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को बरकरार रखा और बीमा दावा देने के आदेश को सही माना। बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता शिवांग सोनी तथा विपक्षी की ओर से अधिवक्ता हिमांशु ने पैरवी की।

प्रागपुरा से लापता भाजपा प्रत्याशी दिल्ली से सकुशल दस्तयाब

पुलिस ने बुद्धाराम गढ़वाल को मेडिकल जांच के बाद परिजनों को सौंपा

पावटा, (निसं)। नगर निकाय चुनाव के बीच पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के वार्ड नंबर 32 से भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल के अचानक लापता होने से क्षेत्र में सियासी हलचल तेज हो गई थी। करीब दो दिन तक चले घटनाक्रम के बाद प्रागपुरा थाना पुलिस ने भाजपा प्रत्याशी को धौला कुआं, नई दिल्ली स्थित बस स्टैंड से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने मेडिकल करवाने के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल 1 सितंबर को शाम करीब 4 बजे अचानक लापता हो गए थे। परिजनों की ओर से प्रागपुरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाए जाने के बाद पुलिस की विभिन्न टीमों ने उनकी तलाश शुरू की। चुनावी समय में प्रत्याशी के लापता होने की सूचना सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। भाजपा प्रत्याशी की तलाश को लेकर 3

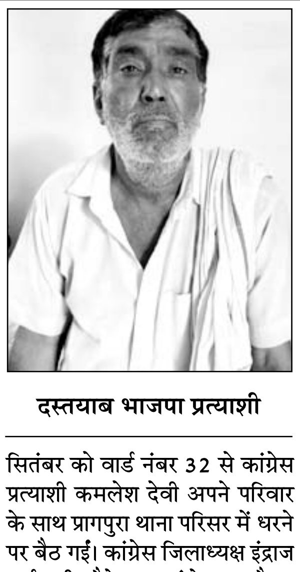

दस्तयाब भाजपा प्रत्याशी

सितंबर को वार्ड नंबर 32 से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश देवी अपने परिवार के साथ प्रागपुरा थाना परिसर में धरने पर बैठ गईं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं प्रत्याशी ने विराटनगर डीवाईएसपी विराटनगर उमेश निठारवाल तथा प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम को ज्ञापन सौंपते

- भाजपा प्रत्याशी की तलाश को लेकर वार्ड नंबर 32 से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश देवी अपने परिवार के साथ प्रागपुरा थाना परिसर में धरने पर बैठी थी
- पुलिस के अनुसार पूछताछ में बुद्धाराम गढ़वाल ने बताया कि वह एक सितंबर को अपनी इच्छा से स्वयं गए थे

हुए भाजपा प्रत्याशी को जल्द दस्तयाब करने की मांग की थी। साथ ही निष्पक्ष जांच और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 सितंबर को मतदान कराने की मांग भी उठाई गई थी।

प्रागपुरा थाना अधिकारी भजनाराम चौधरी ने बताया कि पुलिस टीम ने भाजपा प्रत्याशी बुद्धाराम गढ़वाल को 3 सितंबर की रात करीब 2:30 बजे धौला कुआं, नई दिल्ली बस स्टैंड से दस्तयाब किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में बुद्धाराम गढ़वाल ने बताया कि वह 1 सितंबर को अपनी इच्छा से स्वयं गए थे। उन्होंने पुलिस को दिए बयान में कहा कि उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं था और न ही किसी अन्य कारण से उन्हें ले जाया गया था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए बुद्धाराम गढ़वाल का मेडिकल करवाया और इसके बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया। नगरपालिका चुनाव के मतदान से कुछ दिन पहले भाजपा प्रत्याशी के लापता होने और फिर दिल्ली से दस्तयाब होने के घटनाक्रम ने वार्ड नंबर 32 के चुनावी मुकाबले को खासा चर्चित बना दिया। अब भाजपा प्रत्याशी के पुलिस बयान के बाद पूरे मामले को लेकर चल रही विभिन्न अटकलों पर भी विराम लगने की उम्मीद है।

छात्रावासों में संचालित भोजन व्यवस्था को लेकर शिकायत सामने आई

राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर के छात्रावासों का मामला

अजमेर, (निसं)। राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर के छात्रावासों में संचालित भोजन व्यवस्था को लेकर गंभीर शिकायत सामने आई है। करीब 400 छात्राओं को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं मेस संचालन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आदर्श नगर निवासी हेमराज रावत ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन की कथित लापरवाही के कारण छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं गर्म भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उनका कहना है कि पहले कॉलेज में दो अलग-अलग मेस संचालित होती थीं, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में करीब 400 छात्राओं का भोजन एक ही स्थान पर तैयार कर दोनों मेस तक पहुंचाया जा रहा है। इससे भोजन के ठंडा होने और गुणवत्ता प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि छात्राओं को कई बार ठंडी एवं सूखी रोटियां परोसी जाती हैं। भोजन को गर्म रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात भी कही गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार भोजन की गुणवत्ता को लेकर छात्राओं की ओर से बार-बार शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। हेमराज रावत ने कहा कि महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को स्वच्छ, पौष्टिक और गर्म भोजन उपलब्ध कराना कॉलेज प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि छात्राओं को खराब गुणवत्ता का भोजन मिल रहा है तो यह गंभीर विषय है और इसकी तत्काल जांच आवश्यक है। शिकायतकर्ता ने मेस ठेके की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज की प्राचार्य द्वारा कथित रूप से पसंदीदा ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मेस संचालन का ठेका दिलाया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि मेस ठेके से संबंधित निविदा प्रक्रिया, पात्रता, नियम, दस्तावेजों तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

शिकायत में महिला छात्रावास होने के बावजूद मेस ठेकेदार के पास पर्याप्त संख्या में महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने का आरोप भी लगाया गया है। इसे प्रशासनिक और सुरक्षा से जुड़ा विषय बताते हुए इसकी भी जांच कराने की मांग की गई है।शिकायतकर्ता ने मांग की कि जांच पूरी होने तक छात्राओं के भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

भरतपुर में राधारमन मंदिर में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया

भरतपुर । शहर के मध्य निकट लक्ष्मन मंदिर प्राचीन मंदिर श्री राधारमण जी महाराज में दो दिवसीय उत्सवों के अंतर्गत आज श्री कृष्ण जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम से मनाया गया। मंत्री मोहन मित्तल ने बताया कि सुबह 9 बजे भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर स्थापना के बाद संकीर्तन, सुनील त्यागी म्यूजिकल पार्टी द्वाराप्रस्तुत किया गया। विशेष आमंत्रित झांसी से पधारे भागवतकथा के मर्मज्ञ आचार्य बापू सरकार के प्रवचन हुए, गौडीय सम्प्रदाय की परम्परानुसार दोपहर 12 बजे भगवान श्री कृष्ण का प्रकटोत्सव हुआ। श्री विग्रह का केशरयुक्त पंचामृत से अभिषेक पं0 प्रेमी शर्मा वैदिक, वीरेन्द्र शर्मा, जितेन्द्र भारद्वाज, हर्षित शर्मा, नीरज समाधिया पांच विद्वान वेदाचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार से किया

भक्तों ने श्रीकृष्ण भगवान की पूजा कर सुख शांति की कामना की।

गया जिसमें 501 किलो दूध, दही, घी, शहद, बूरा, केशर, इत्र, सरवोसकी, तुलसीदल, गंगाजल एवं दिव्य औषधियों से शंख द्वारा किया गया। कान्हा को मोती जडित नई पोषाक धारण कराकर आभूषणों एवं पुष्पों से आकर्षित एवं अलौकिक श्रृंगार चंदन, मोरपंख, मुकुट, मोती जडित माला धारण कराकर चांदी के पालना में झुलाया गया। महाआरती झालर घंटा शंखनाद से अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग एवं भरतपुर जिला अग्रवाल महासभा अध्यक्ष सीए

- **गौडीय संप्रदाय के इस राधा रमन मंदिर में दिन में 12 बजे अभिषेक जन्मोत्सव कार्यक्रम हुआ**

अतुल मित्तल के मुख्य आतिथ्य में हुई। मंदिर प्रांगण राधारमण लाल की जय, नन्द के लाल की जय, नन्द के आनंद भये जय कन्हैया लाल की से गूॅज उठा। मंदिर प्रांगण भक्तों से खचाखच भरा हुआ था हजारों की संख्या में आये भक्तों को पंचामृत वितरित किया गया।

इसी दिन रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक भजन संध्या, बधाये एवं सजीव झांकियों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई, तदउपरांत भगवान की दर्शन झांकी के दर्शन कर भक्तगण भाव विभोर हो गये,पंचामृत, धनियां पंजीरी, मिंगीपाग व फल की प्रसादी का वितरण किया गया।

5 सितम्बर को नन्दोत्सव मनाया जावेगा। महिला मण्डल द्वारा भजन एवं बधाये गाकर भगवान को रिझाया जावेगा व 10.15 बजे छैल लुटाई जायेगी।

इस मौके पर अध्यक्ष चन्द्रमोहन गुप्ता एडवोकेट, उपाध्यक्ष डॉ. डी.डी. गोयल, विष्णु लोहिया, महेशचंद सिंघल, गोविन्द अग्रवाल, प्रिंस सर्राफ, मुकेश कुमार बजाज, रामअवतार कोठारी, विवेक गुप्ता सर्राफ, कपूरचंद रायसीस, केशव सिंघल सर्राफ, प्रेम गोयल, महेश गुप्ता बीमा, प्रहलाद गोयनका, अशोक कुमार गोयल, राम प्रसाद मसाले वाले, बांके लाल बजाज आदि मौजूद रहे।

टोंक में ऑनलाइन सट्टा गैंग का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। निकाय चुनाव की वोटिंग होने से कुछ दिन पहले जिला स्पेशल टीम व निवाई थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क का पर्दाफाश कर मौके से ऑनलाइन सट्टेबाजी के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर उसके पास से 33 लाख 25 हजार 500 रुपए नगद और तीन मोबाइल जब्त किए हैं। यह कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में निवाई थाना पुलिस ने क्षेत्र में चल रहे अवैध ऑनलाइन गैंबलिंग नेटवर्क के खिलाफ की गई है। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने सट्टा संचालित करने वाले मुख्य आरोपी राजाराम गुर्जर निवासी चाकसू हाल निवासी निवाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्यवाही में आरोपी के कब्जे से 33 लाख 25 हजार 500 रुपए की नकदी बरामद कर तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इन मोबाइलों से करीब 5 लाख रुपए के ऑनलाइन सट्टा लाइनों, लेन-देन और मास्टर आईडी से जुड़े कई सबूत मिले हैं।

सार-समाचार

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दिवंगत नेता महेंद्र शास्त्री को श्रद्धांजलि दी

अलवर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को अलवर पहुंचे। यहां उन्होंने मुंडावर के पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र शास्त्री के मोती डूंगरी स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महेंद्र शास्त्री का 27 अगस्त 2026 को 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। जगदीप धनखड़ ने श्रद्धांजलि देने के बाद महेंद्र शास्त्री के लंबे सार्वजनिक जीवन और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री ने कई दशकों तक समाज की सेवा की और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।धनखड़ ने कहा कि महेंद्र शास्त्री ने राजस्थान में सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहकारी संस्थाओं और सहकारी बैंकों के संचालन को मजबूत करने के लिए उनके प्रयास उल्लेखनीय रहे। उन्होंने कहा कि आज देश में सहकारिता को संविधान में प्रमुख स्थान मिलने और इसके लिए अलग मंत्रालय बनने के पीछे ऐसे नेताओं के लंबे समय तक किए गए प्रयासों की मजबूत नींव रही है।

सांभर में पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने चुनावी कार्यालयों का उद्घाटन किया

सांभरझील। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने वार्ड नंबर 11 के भाजपा प्रत्याशी विनोद कुमार गट्टानी एवं वार्ड नंबर 12 के प्रत्याशी जितेंद्र कुमार

दर्जी के चुनावी कार्यालय का जन्माष्टमी के अवसर पर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा विकास के लिए कटिबंध है। हमें किसी के झांसे में नहीं आना है। भाजपा पार्टी ने हमारे कार्यकाल के दौरान सांभर का खूब विकास कराया है और आगे भी हम जो विकास कार्य शेष रह गए हैं उनको कराने के लिए सांभर की जनता को आश्वस्त करते हैं। आप बीजेपी का बोर्ड बानाओ और विकास की गंगा बहाओ। इस मौके पर उन्होंने भाजपा की प्रत्याशियों को भारी बहुमतों से जिताने की अपील की और चुनावी कार्यालयों का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर दोनों वार्डो में सैकड़ो की संख्या में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में भीड़ उमड़ी तथा भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए।

एनएच-48 पर तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में घुसी, हादसा टला

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा कस्बे के जयपुर-दिल्ली रोड पर शुक्रवार को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे कंटेनर में जा घुसी। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज गति से दौड़ रही थी। इसी दौरान चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार आगे चल रहे कंटेनर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कार सवारों की मदद की। सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर वाहनों की तेज रफ्तार आए दिन हादसों का कारण बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों की नियमित जांच और स्पीड मॉनिटरिंग जरूरी है। लोगों के अनुसार भाबरू थाना क्षेत्र में दो इंटरसेप्टर वाहन खड़े रहते हैं, जबकि प्रागपुरा थाना क्षेत्र में भी एक इंटरसेप्टर वाहन की तैनाती की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रागपुरा थाना क्षेत्र में भी इंटरसेप्टर वाहन तैनात रहे और लगातार तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी की जाए तो वाहन चालकों में नियमों का पालन करने का दबाव बनेगा और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। लोगों ने पुलिस एवं यातायात विभाग से मांग की है कि एनएच-48 के पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में नियमित स्पीड चेकिंग अभियान चलाया जाए तथा प्रागपुरा थाना क्षेत्र में भी इंटरसेप्टर वाहन की व्यवस्था की जाए, ताकि तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके।

निवाई में थदड़ी पर्व मनाया

निवाई। सिंधी समाज का पारंपरिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पर्व को श्रद्धा एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। समाज की महिलाएं सज धज कर मंगल गीत गाती हुई शहर के भगवान झूलेलाल मंदिर में पहुंचीं। जहां शीतला माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं खुशहाली की मनोकामना की। परंपरा के अनुसार एक दिन पहले घरों में तैयार किए गए विभिन्न सिंधी व्यंजनों का शीतला माता को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया गया।

पर्व के दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता है। मीठी मानी, चैपा, खोराक, टिक्की, खीर व पकौड़ी सहित पारंपरिक पकवानों से घर-आंगन महक उठे। समाज की सिंधु सोसाइटी की अध्यक्षा ऋचा इसरानी ने बताया कि थदड़ी केवल ठंडा भोजन ग्रहण करने की परंपरा नहीं बल्कि जीवन की शीतलता, संयम स्वच्छता एवं सकारात्मकता का संदेश देने वाला पर्व है।

सांभर में ब्रह्माकुमारीज़ ने जन्माष्टमी महोत्सव मनाया

सांभरझील। यहां प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, केंद्र द्वारा जन्माष्टमी के पावन अवसर पर एक भव्य महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्र से जुड़े भाई-बहनों द्वारा भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित मनोरंजक और प्रेरणादायक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य आकर्षण सांभर में जन्मे और वर्तमान में मुंबई के सुप्रसिद्ध गायक और संगीतकार हेमंत आचार्य के भजनों की प्रस्तुतियां रहीं। उनके सुरीले भजनों और भावपूर्ण गायन ने माहौल को भक्तिमय बना दिया और पूरा हॉल 'हरे कृष्णा' के जयकारों से गूंज उठा. लोगों ने उनके भजनों पर झूमकर आनंद लिया।

इस अवसर पर भाइयों द्वारा एक विशेष नाटक प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में केंद्र से जुड़े भाई-बहनों ने कृष्ण के जीवन पर आधारित प्रेरणादायक प्रस्तुतियां दी।

नाटक के माध्यम से एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया कि कैसे हमारे भीतर आज भी कंस, बुराइयों के रूप में जीवित है। नाटक में दर्शाया गया कि नशा, लालच, अहंकार और मोबाइल की लत जैसी बुराइयां इंसान को राक्षस बना रही हैं. नाटक का उद्देश्य समाज में फैली इन बुराइयों के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों को अच्छाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना था। इसके अलावा भगवान कृष्ण के बाल रूप की झांकी और नृत्य भी प्रस्तुत किए गए, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

टोंक में वार्ड 14 में प्रत्याशी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

टोंक। आगामी नगर निकाय चुनाव के तहत नगर परिषद के वार्ड नंबर 14 से भाजपा प्रत्याशी मनीष बैरवा के चुनाव कार्यालय उद्घाटन जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर चंद्रवीर सिंह चौहान ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जनता का विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत भाजपा की जीत का आधार है। नगर परिषद टोंक के सभी वार्डों में जिस प्रकार वार्डवासियों में उत्साह और भाजपा के प्रति विश्वास दिखाई दे रहा है, वह भाजपा की मजबूत स्थिति का प्रतीक है। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, संगठन की एकजुटता और जनता के आशीर्वाद के साथ भाजपा प्रत्याशी मनीष बैरवा की विजय सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से कार्य किया जाएगा।

इतला नामा बनाम रेस्पाडेन्ट
न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय जयपुर राजस्थान
अपील नम्बरी मुतफरिक या इजराय 10/2026
डिग्री नं. 10 सन् 2026
बिनाराजी तजबीज..........
अदालत मुकाम...............मुकाम
मवरिखा............
श्याम सुन्दर बनाम मोहन लाल व अन्य
(1) महेश कुमार पुत्र छीतरमल (2) महेन्द्र पुत्र छीतरमल (3) सुशीला देवी पुत्री छीतरमल (4) रिंकू कुमारी पुत्री छीतरमल समस्त जाति बलाई निवासी ग्राम किशनगढ़ रेनवाल तहसील किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर, (5) राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर।
मुतिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख इस मुकदमे में अपीलान्टस ने पेश किया है और इस अदालत की तजबीज 23 माह 09 सन् 2026 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोई और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी।
आज तारीख 28 माह 08 सन् 2026 ई. मेरे दस्तखज और मोहर अदालत से जारी किया।
मोहर अदालत
अतिरिक्त कलेक्टर एवं अति.जिला मजिस्ट्रेट तृतीय जयपुर

झूठे भाषणों से नहीं होगा शहर का विकास, जनता इस बार देगी जवाब : जूली

अलवर। नगर निकाय चुनाव को लेकर अलवर में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने चुनावी मैदान में पूरी ताकत झोंकते हुए भाजपा पर सीधा हमला बोल दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर शहर में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में विभिन्न जनसभाओं को संबोधित किया और चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन किया। सभाओं में जुटी भीड़ को कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जनाक्रोश का संकेत बताते हुए कहा कि इस बार अलवर में कांग्रेस का बोर्ड बनना तय है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर शहर में चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन किया।

- **उन्होंने आरोप लगाया कि अलवर शहर की जनता आज भी सड़क, पानी, बिजली और सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान है**

जितेंद्र सिंह और टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का पाप का घड़ा अब भर चुका है, भ्रष्टाचार की अमरबेल का अंत होना अब निश्चित है और जनता उसके शासन का हिसाब मांगने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अलवर शहर की जनता आज भी सडक़, पानी, बिजली और सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान है। महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं और सरकार के बड़े-बड़े दावों के बावजूद जमीनी तस्वीर अलग नजर आती है।

उन्होंने भाजपा के बड़े नेताओं के अलवर दौरे और चुनावी सभाओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही बड़े-बड़े नेता अलवर पहुंचकर विकास का झुनझुना जनता को थमाने लगते हैं, लेकिन सवाल यह है कि जिस काम को भाजपा सरकार अपने पूरे कार्यकाल में नहीं करा सकी, वह काम चुनाव के दौरान दिए जा रहे भाषणों से कैसे पूरा होगा।

उन्होंने कहा कि जनता अब भाषण और हकीकत का फर्क समझ चुकी है। केवल घोषणाओं और जुमलों से शहर की समस्याएं दूर नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि अलवर की जनता अब विकास के नाम पर किए गए वादों का हिसाब मांग रही है। भाजपा पर चुनाव में दबाव और राजनीतिक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाते हुए जितेंद्र सिंह और जूली ने कहा कि निकाय चुनाव में हार की आशंका से भाजपा बौखलाई हुई है।

मनोहरपुर में 2.5 लाख की शराब जब्त

मनोहरपुर। चुनाव आचार संहिता की पालना के तहत आबकारी विभाग शाहपुरा ने मनोहरपुर टोल प्लाजा पर बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा रोडवेज की बस से अवैध रूप से परिवहन की जा रही 48 बोतल विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त की। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 2.5 लाख रुपए बताई गई है। आबकारी निरोधक दल ने तलाशी के दौरान बस में रखे दो ट्रॉली बैग और दो डफल बैग से शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान उत्तर प्रदेश निवासी अनिल एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली निवासी सत्यप्रकाश को मौके से गिरफ्तार किया गया।

- **हरियाणा रोडवेज बस से 48 बोतल अवैध शराब बरामद, यूपी और दिल्ली के दो आरोपी गिरफ्तार**

इस दौरान ये कार्रवाई घनश्याम शर्मा अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन जयपुर, ज्ञान प्रकाश मीणा उपायुक्त जोन जयपुर, अर्चना जैमन जिला आबकारी अधिकारी जयपुर ग्रामीण एवं रामसहाय नारेड़ा सहायक आबकारी अधिकारी के निर्देशन में की गई। आबकारी निरीक्षक हरीश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। मामले में आबकारी विभाग द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

कार्यकर्ताओं की एकजुटता से कोटपूतली में खिलेगा कमल : सुभाष पूनियां

कोटपूतली। स्थानीय नगर परिषद के वार्ड नं. 40 में उस समय एक नया राजनीतिक इतिहास रचा गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर और बेहद लोकप्रिय प्रत्याशी बालकृष्ण सैनी के चुनाव कार्यालय का भव्य और ऐतिहासिक उद्घाटन हुआ। कस्बे के टेलीफोन एक्सचेंज रोड़ पर एचबी मसाला उधोग संस्थान पर शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन और अत्यंत शुभ अवसर पर आयोजित इस समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा। चारों तरफ उत्साह, उमंग और भाजपा की जीत के गगनभेदी नारे गूंज रहे थे। इस महा-उद्घाटन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा निकाय चुनाव प्रभारी सुभाष पूनियां, क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, चुनाव संयोजक एड. बजरंग लाल शर्मा व जिला महामंत्री एड. सुरेन्द्र चौधरी ने संयुक्त रूप से विधि-विधान के साथ फीता काटकर किया। इस अवसर पर पण्डितों द्वारा पूर्ण विधि-विधान से वेद मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्री गणेष जी की पूजा अर्चना कर कार्यालय का शुभारम्भ करवाया गया।

- **भाजपा प्रत्याशी बालकृष्ण सैनी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन**

इस ऐतिहासिक मोड़ पर चुनाव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई, जब वार्ड नं. 40 से निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र सिंह यादव ने भाजपा की नीतियों और बालकृष्ण सैनी के नेतृत्व पर अटूट विष्वास जताते हुए अपना नामांकन फॉर्म वापस ले लिया। उन्होंने ना केवल अपना नाम वापस लिया, बल्कि बालकृष्ण सैनी को अपना पूर्ण और खुला समर्थन देकर सबको चौंका दिया। देवेंद्र सिंह के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद पूरे वार्ड में भाजपा की लहर एक प्रचंड सुनामी में बदल चुकी है और विरोधियों के हौंसले पूरी तरह पस्त हो गए हैं। उद्घाटन के मौके पर उपस्थित भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि बालकृष्ण सैनी भाजपा के एक समर्पित, कर्मठ और कद्दावर नेता हैं। उन्होंने संगठन में भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष के रूप में युवाओं में राष्ट्रवाद की अलख जगाई। भाजपा नगर मंडल महामंत्री समेत कई अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़े पदों पर रहकर जनता की नि:स्वार्थ सेवा की है।

खोया पाया
श्री 1008 आदिनाथ जैन सेवा समिति का पंजीयन नंबर 945 जयपुर/2007-08 का मूल पंजीयन प्रमाण पत्र, विधान की प्रति आदि कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। धर्मेंद्र कुमार जैन, मो.9252062616

विवाद्यको के स्थिरीकण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय विराटनगर जिला कोटपूतली-बहरोड़
जगदीश बनाम राधेश्याम वगै.
दावा बाबत तकास्मा व स्थाई निषेधाज्ञा एव प्रा0 पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
वाद पत्र संख्या - 49/2017
प्रार्थना पत्र संख्या - 62/2017
बनाम 1. सक्षम प्राधिकारी इण्डियन ऑयल कॉपोरेशन लि. पता निर्माण कार्यालय प्लॉट नम्बर 38-39, एस.डी.सी. विनय ब्लॉक 02, चौथा तल, मौजी कॉलोनी, मालवीय नगर जयपुर (राज.) ने आपके विरूद्ध दावा बाबत तकास्मा व स्थाई निषेधाज्ञा एव प्रा0 पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थनापत्र/वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 08.09.2026 को दिन में 10 बजे दावे/प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा/प्रार्थना पत्र या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाल सुची में प्रविष्ट करें।
आपको सुचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद/प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
या वाद तारीख 01.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 723/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री सतपाल सिंह निवासी डी 159 आनन्द विहार रेलवे कालोनी, जगतपुरा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास गुरुद्वारा श्री गुरूनानक देव सेवा मण्डल संस्था, आनन्द विहार रेलवे कालोनी, जगतपुरा, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.7.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी क्रिया गया।
आइदा तारीख पेशी 07.10.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव में 246 प्रत्याशी मैदान में

पावटा। नगर पालिका चुनाव को लेकर नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही गुरुवार को चुनावी तस्वीर साफ हो गई। नाम वापसी के अंतिम दिन 52 प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद अब नगर पालिका के 45 वार्डों में कुल 246 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हैं।

नगर निकाय चुनाव को लेकर चल रही चुनावी प्रक्रिया अब निर्णायक दौर में पहुंच गई है। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को निर्वाचन विभाग की ओर से प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। चुनाव चिन्ह मिलते ही प्रत्याशियों के चेहरे खिल उठे और समर्थकों में भी उत्साह का माहौल नजर आया।चुनाव चिन्ह आवंटित होने के साथ ही अब प्रत्याशियों की पहचान उनके चुनाव चिह्न के साथ मतदाताओं के बीच होगी। प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने अपने-अपने चुनाव चिन्ह को लेकर प्रचार की रणनीति बनानी शुरू कर दी है।रिटर्निंग अधिकारीबृजेश कुमार ने बताया भाजपा के 45 प्रत्याशियों को पार्टी का चिन्ह फूल व कांग्रेस के 45 प्रत्याशियों को हाथ, आरएलपी प्रत्याशियो को बोतल एवं निर्दलीय प्रत्याशियों को टेलीविजन, सिलाई मशीन, चारपाई, अलमारी, गैस चूल्हा, टेलीफोन, गुब्बारा, चप्पले, चूड़ियां, सेब, कोट, बांसुरी, हारमोनियम, बाल्टी, बिजली का खंभाचुनाव चिन्ह आवंटित किया गया। उधर, चुनाव चिन्ह आवंटन होने के बाद कुछ उम्मीदवारों ने चुनावी कार्यालय खोले। कई प्रत्याशी कार्यालय के लिए उचित जगह तलाशते नजर आए।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कृष्ण जन्माष्टमी पर उमड़ा जनसैलाब

कोटपूतली। क्षेत्र में शुक्रवार को भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पावन पर्व कृष्ण जन्माष्टमी अद्भुत श्रद्धा, अद्वितीय उत्साह और अभूतपूर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरा क्षेत्र मुरलीधर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा और चारों ओर भक्ति का ऐसा ज्वार उमड़ा कि हर कोई कृष्ण रंग में सराबोर नजर आया। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न देवालयों में नयनाभिराम और सजीव झांकियों की अनूठी छटा बिखरी, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

उत्सव का मुख्य आकर्षण कस्बे के मौहल्ला बुचाहेड़ा स्थित ऐतिहासिक श्री सीताराम बड़ा मंदिर ट्रस्ट रहा, जहां हर साल की भांति इस बार भी भव्यता की सभी सीमाओं को पार करते हुए दिव्य झांकियों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक महोत्सव का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव (न्यायाधीश) नीलम मीणा ने सायं 07 बजे पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार के बीच द्वीप प्रज्जवलित कर किया। दीप की लौ के साथ ही पूरा मंदिर परिसर अलौकिक आभा से जगमगा उठा और ठाकुर जी के जयकारों से गूंज उठा।

कोटपूतली में कृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाया।

श्री सीताराम बड़ा मंदिर में पिछले 18 वर्षो से लगातार कृष्ण जन्माष्टमी का यह महापर्व बेहद गरिमामय और विशाल स्तर पर मनाया जा रहा है। लेकिन इस वर्ष की भव्यता ने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। मंदिर प्रशासन और कार्यकर्ताओं की महीनों की तपस्या इस बार परिसर में साक्षात नजर आ रही थी। मध्य रात्रि 12 बजे तक सजीव झांकियों की अद्भुत छटा को निहारने के लिए पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी।

मंदिर परिसर में ठाकुर जी का ताजे, सुगंधित और दुर्लभ विदेशी फूलों से साक्षात देवलोक जैसा भव्य श्रृंगार किया गया था। इस बार सजीव झांकियों की श्रृंखला इतनी सजीव और चित्ताकर्षक थी कि दर्शक मंत्रमुग्ध होकर अपलक निहारते रह गए। नन्हे-मुन्ने बालकों ने राधा-कृष्ण और अन्य देव स्वरूपों को इतनी खूबसूरती से जीवंत किया कि लगा साक्षात ईश्वर धरा पर अवतरित हो गए हैं।

अमरनाथ गुफा की बर्फानी झांकी श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही, जहां साक्षात बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन हुए। इसमें यमुना किनारे कदम की छांव में झूला झूलते राधा-कृष्ण की अलौकिक छवि को दर्शाया गया। कंस की जेल में भगवान के जन्म और कन्हैया की नटखट माखन चोरी की लीलाओं ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक का मन मोह लिया।

ग्रामीण संस्कृति की जीवंतता के साथ-साथ मां काली के रौद्र रूप की झांकी ने दर्शकों में कौतूहल जगाया। राष्ट्रीयता और सर्वधर्म समभाव का संदेश देती 'भारत माता' की भव्य झांकी ने हर नागरिक का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया।

- **श्री सीताराम बड़ा मंदिर में सजीव झांकियों का अलौकिक वैभव**

लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर ट्रस्ट द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। पूरे मंदिर परिसर को सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी में रखा गया था। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा वॉलिंटियर्स तैनात थे, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा ना हो और महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग सुगमता से दर्शन कर सकें। इस ऐतिहासिक और भव्य आयोजन को अमलीजामा पहनाने और इसे सफलता के शिखर पर पहुंचाने में मंदिर कमेटी के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर दिया। झांकियों की तैयारी और व्यवस्थाओं को सफल बनाने में कमेटी के घनश्याम अथोनिया, अमित यादव, मनीष यादव, अमरजीत सिंह शेखावत, हनुमान बली व सुरेश संघई सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने समर्पण भाव से अपनी सेवायें दीं।

इतला नामा बनाम रेस्पाडेन्ट
न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय जयपुर राजस्थान
अपील नम्बरी मुतफरिक या इजराय 11/2026
डिग्री नं. 11 सन् 2026
बिनाराजी तजबीज..........
अदालत मुकाम...............मुकाम
मवरिखा............
श्याम सुन्दर बनाम मोहन लाल व अन्य
(1) सीमा पुत्री छीतरमल जाति बलाई निवासी ग्राम किशनगढ़ रेनवाल तहसील किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर, (2) राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार किशनगढ रेनवाल जिला जयपुर।
मुतिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख इस मुकदमे में अपीलान्टस ने पेश किया है और इस अदालत की तजबीज 23. माह 0.1. सन् 2026 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोई और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी।
आज तारीख 28 माह 08 सन् 2026 ई. मेरे दस्तखज और मोहर अदालत से जारी किया।
मोहर अदालत
अतिरिक्त कलेक्टर एवं अति.जिला मजिस्ट्रेट तृतीय जयपुर

नाम परिवर्तन
मैने अपना नाम श्री ओम गुप्ता से बदलकर ओम गुप्ता रख लिया है। निवासीः-सी 21, सिद्धा हैप्पीविले, बगरू खुर्द, जयपुर। भविष्य में इसी नाम से जाना जाए।

I Army no. 15717710M Rank NK Veeramani M R/o Village- Uthumalai, Teh. Veerakeralam Puthur, Tirunelveli, Tamilnadu have changed my father's name from S Murugan to Murugan S and DOB from 15-07-1970 to 25-05-1970 in my service records for all future purposes.

I Army no. 15717710M Rank NK Veeramani M R/o Village- Uthumalai, Teh. Veerakeralam Puthur, Tirunelveli, Tamilnadu have changed my mother's name from M Thavamani to Thaumani and DOB from 21-10-1975 to 01-01-1968 in my service records for all future purposes.

I have changed my son Name from Kavya Lalwani to Kavya Popat S/o Shri Amar Rupen Popat for all future purposes. Address: Flat No. 406, Estella, Kondapur, PO Kondapur, Dist. K.V Rangareddy, Telangana- 500084

मुख्यमंत्री का भीलवाड़ा-उदयपुर में रोड शो, मदन राठौड़ अजमेर, नागौर जाएंगे

भाजपा ने नगर निकाय चुनावों के प्रचार में वरिष्ठ नेताओं को उतारा

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव प्रचार अब पूरी तरह जोर पकड़ चुका है। भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतारते हुए, शनिवार, 5 सितंबर के लिये व्यापक प्रचार अभियान की रणनीति बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अजमेर और नागौर के प्रवास पर रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीलवाड़ा और उदयपुर में रोड शो कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में माहौल बनाएंगे। मुख्यमंत्री दोनों शहरों में रोड शो के साथ संगठनात्मक बैठकों में भी चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को अजमेर और नागौर में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे।

■ भाजपा की रणनीति है कि पार्टी पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतर कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें।

उनके प्रवास के दौरान, पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क और चुनावी गतिविधियों को गति देने के साथ ही, स्थानीय संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया जाएगा।

भाजपा की कोशिश है कि प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतरकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें। टिकट वितरण के बाद जहां कहीं नाराजगी या बगावत की स्थिति बनी है, वहां भी नेताओं के प्रवास को संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह जयपुर से रवाना होकर करीब 11.50 बजे भीलवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे से उनका रोड शो शुरू होगा। रोड शो दूधाधारी गोपाल मंदिर परिसर से शुरू होकर निर्धारित मार्ग पर चलेगा।

इसके बाद, दोपहर 1 से 2 बजे तक मुख्यमंत्री भाजपा जिला कार्यालय, भीलवाड़ा में संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे। यहां स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों, संगठन की स्थिति और चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा।

बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। करीब 2.40 बजे उदयपुर पहुंचने के बाद शाम चार बजे उनका रोड शो प्रस्तावित है।

उदयपुर में मुख्यमंत्री का रोड शो शाम 4 बजे सूरजपोल चौराहे पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा स्थल से शुरू होगा। करीब एक घंटे तक चलने वाले रोड शो में मुख्यमंत्री पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगेंगे।

रोड शो के बाद शाम 5 से 6 बजे तक मुख्यमंत्री संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

एयर इंडिया का फुकेत -दिल्ली उड़ान का मुख्य पायलट बर्खास्त

मुंबई, 04 सितंबर। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने शुक्रवार को फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट-इन-कमांड की सेवाएं समाप्त कर दीं है, जो ड्रग्स के इस्तेमाल के टैस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। एयर इंडिया ने आज एक बयान में बताया कि जांच में मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की सेवा समाप्त कर दी गई। विमानन कंपनी की ओर से यह घोषणा फुकेत फ़्लाइट की घटना की जांच करने वाली एजेंसी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट आने के कुछ घंटों बाद की गई है। एएआईबी की इस रिपोर्ट में कहा गया कि पायलट द्वारा मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर चिंता का विषय है और उसने विमान नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उचित कार्रवाई करने को कहा था।

बीएल संतोष ने दिन भर की बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया

उन्होंने कहा, कमज़ोर नज़र आ रहे प्रत्याशी के साथ खड़ा होकर संगठन उसे मजबूत बनाएं

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने अब चुनावी अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने दिनभर चली विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया और नेताओं-कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। बैठक में, पार्टी प्रत्याशियों की स्थिति, बूथ प्रबंधन, स्थानीय समीकरण, वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता, बागियों और नाराज कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय के साथ-साथ, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी गजेन्द्र पटेल, रोहन गुप्ता और संगीता यादव तथा संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में, कुछ वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों की स्थिति को लेकर फीडबैक सामने आया। ऐसे वार्डों पर भी चर्चा हुई, जहां मुकाबला कांग्रेस और

■ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, चुनावी प्रभारी, प्रदेश प्रभारी और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया।

निर्दलीय उम्मीदवार के बीच दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर ऐसे स्थानों पर चुनाव के बाद बोर्ड गठन के संभावित समीकरणों को देखते हुए निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क की चर्चा भी उठी।

लेकिन संतोष ने चुनाव के दौरान इस तरह के विकल्प तलाशने के बजाय, अधिकृत प्रत्याशी को जिताने पर पूरा जोर देने का संदेश दिया। उनका स्पष्ट संकेत था कि प्रत्याशी कमजोर नजर आ रहा है तो संगठन को उसके साथ खड़ा होकर उसे मजबूत करना चाहिए।

यह संदेश टिकट वितरण के बाद कुछ स्थानों पर सामने आई नाराजगी और बगावत के बीच भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन की कोशिश है कि स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत लगाई जाए।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं और सांसदों की चुनावी सक्रियता पर भी चर्चा हुई। एक वरिष्ठ नेता की ओर से कुछ सांसदों की अपेक्षाकृत कम सक्रियता का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद संतोष ने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव केवल वार्ड प्रत्याशी का चुनाव नहीं है, बल्कि संगठन के हर स्तर की सक्रियता इसमें मायने रखती है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी से जुडे पदाधिकारियों की बैठक में संतोष ने भाजपा के खिलाफ चल रहे नरेटिव को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा का तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाए।

बैठक में संगठनात्मक गोपनीयता का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। संतोष ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई बार पार्टी की आंतरिक बैठकों की जानकारी बैठक समाप्त होने से पहले ही बाहर और मीडिया तक पहुंच जाती है। उन्होंने ऐसे लोगों को लेकर सख्त संदेश दिया, जो संगठनात्मक बैठकों की अंदरूनी चर्चा सार्वजनिक करने या केवल मीडिया में खबरों में बने रहने के लिए सक्रिय रहते हैं।

अमेरिका की सहायता के लिये होर्मुज़ में सेना तैनात करेगा द.कोरिया

द.कोरिया होर्मुज़ से सुरक्षित समुद्री रास्ता सुनिश्चित करने के लिये सैन्य योगदान देने को तैयार है

सियोल (दक्षिण कोरिया), 04 सितंबर। दक्षिण कोरिया होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में अमेरिका की मदद करने के लिए वहां सैन्य कर्मियों की तैनाती पर विचार कर रहा है।

"द कोरिया हेराल्ड" ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कार्यालय चेओंग वा डे के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में इस अधिकारी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिकारी ने कहा कि यह कोरियाई प्रायद्वीप पर रक्षा तैयारियों की स्थिति और घरेलू कानूनी जरूरतों के आधार पर तय किया जाएगा।

■ क्यूंगनाम युनिवर्सिटी के विज़िटिंग रिसर्च फैलो का कहना है कि सियोल होर्मुज़ में संभावित तैनाती को वॉशिंगटन के साथ व्यापार व गठबंधन से जुड़े अन्य मुद्दे हासिल करने के एक तरीके के रुप में देख सकता है।

हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

यह बयान स्थानीय प्रसारक जेटीबीसी की गुरुवार की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया कि सरकार होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रही है और नेशनल असेंबली में तैनाती की मंजूरी का प्रस्ताव पेश करने में अधिक समय नहीं लगेगा।

इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रपति भवन के अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अभी किसी खास कार्रवाई का फैसला नहीं किया है। उन्होंने सियोल के इस रुख को दोहराया कि वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री रास्ते सुनिश्चित करने में ठोस और सैन्य योगदान देगा।

अधिकारी ने कहा, "सियोल की सेना लड़ाई में भी अमेरिका का साथ दे सकती है।" इस अधिकारी ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में दक्षिण कोरिया के किसी भी "ठोस योगदान" के लिए सबसे पहले कोरियाई प्रायद्वीप पर देश की सैन्य तैयारी के आधार पर इसका आकलन किया जाएगा।

क्यूंगनाम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर फार ईस्टर्न स्टडीज में विजिटिंग रिसर्च फेलो डू जिन-हो ने सुझाव दिया कि सियोल होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित तैनाती को वाशिंगटन के साथ व्यापार और गठबंधन से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर बढ़त हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है।

दुनिया भारत व अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलती है- राजदूत गोर

नई दिल्ली, 04 सितंबर। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दोनों देशों की गहरी होती साझेदारी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य देश भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन वैश्विक नेताओं से मिलना चाहते हैं, उस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी टॉप पर हैं। इंडिया टुडे को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अमेरिकी

■ अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, ट्रंप 2020 की भारत यात्रा को बहुत गर्मजोशी से याद करते हैं

राजदूत सर्जियो गोर ने रक्षा, व्यापार, कूटनीति और दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों के बढ़ते दायरे पर विस्तार से बात की है।

सर्जियो गोर का कहना है कि फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन नेताओं से मिलना चाहते हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी पहली पसंद होंगे। राजदूत ने गोर ने अगले साल डॉनल्ड ट्रंप के भारत दौरे की संभावनाओं के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा, जब भी मेरी उनसे (ट्रंप से) बात होती है, वे अपनी 2020 की भारत यात्रा, यहां के शानदार लोगों और अपने खास दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को बेहद गर्मजोशी से याद करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही, उन्होंने मुखारविंद मन्दिर में श्री गिरिराज जी का अभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और टीवीके (तमिलगा वेट्री कझगम) नेता विजय ने इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता ताराहाई कथबर्ट ने मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि विजय और राहुल एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

लेकिन राजनीति शायद ही कभी पब्लिक को भरोसा दिलाने जितनी आसान होती है।

कुछ दिन पहले ही, विजय को पीएम बनाने के अभियान की खबरों के कारण कांग्रेस- टीवीके गठबंधन में काफी तनाव पैदा हो गया था। कांग्रेस के एक मंत्री ने यह धमकी तक दे दी थी कि अगर टीवीके 2029 के लिए राहुल गांधी का समर्थन करने से इनकार करती है, तो वे इस्तीफा दे देंगे।

यही बात राहुल गांधी की बुनियादी समस्या को उजागर करती है - भले ही कोई सहयोगी उनका समर्थन करे, लेकिन यह ज़रूरी नहीं कि वह समर्थन बिना किसी शर्त के हो।

इंडिया गठबंधन कभी भी एक पारंपरिक राजनीतिक पार्टी के तौर पर नहीं बनाया गया था, जिसका एक नेता,

■ अगर, यूपी, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलगांना आदि राज्यों में कांग्रेस का मजबूत प्रदर्शन रहता है तो राहुल प्र.मंत्री की कुर्सी के नज़दीक पहुँच सकेंगे।

एक विचारधारा और एक कमान व्यवस्था (कमांड स्ट्रक्चर) हो। यह उन पार्टियों का चुनावी गठबंधन था, जिनकी क्षेत्रीय रुचियां और महत्वाकांक्षाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थीं। इसी वजह से शीर्ष पद के लिए राहुल गांधी का दावा विशेष रूप से मुश्किल हो जाता है।

ममता बनर्जी ने यह दिखा दिया था कि तृणमूल कांग्रेस की अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं और ज़रूरी नहीं कि वह कांग्रेस को विपक्ष का निर्विवाद नेता माने। इसी तरह, अरविंद केजरीवाल की "आप" ने भी कांग्रेस से अलग अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की थी।

वहीं, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में एक ताकतवर खिलाड़ी के तौर पर उभरी है और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व कौन करे, इसे लेकर उसका अपना गणित है।

राहुल गांधी के सामने यही मुख्य विरोधाभास है - कांग्रेस चाहती है कि इंडिया गठबंधन सबसे बड़ी राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरह काम करे, जबकि कई क्षेत्रीय पार्टियां इस गठबंधन को मुख्य रूप से भाजपा को हराने के एक ज़रिए के तौर पर देखती हैं- न कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए।

यह फ़र्क 2029 में निर्णायक साबित हो सकता है।

कांग्रेस का अपने नेता के प्रति लगातार लगाव पार्टी को राहुल से उम्मीद नहीं खोने देता और पार्टी 2014 के बाद से उनमें आए सकारात्मक बदलावों की ओर इशारा करती है। पार्टी का मानना है कि उनका राजनीतिक संवाद बेहतर हुआ है, संसद में उनकी बातों पर ज़्यादा ध्यान दिया गया है और 'भारत जोड़ो यात्रा' ने उन्हें एक ऐसी छवि प्रदान की है, जो उनके विरोधियों द्वारा बनाई गई 'अनिच्छुक राजनेता' की छवि से बिल्कुल अलग है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी कांग्रेस का मनोबल बढ़ाया। पार्टी ने 2019 के अपने नतीजों में काफ़ी सुधार किया, और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर उभरे हैं। लेकिन मज़बूत कांग्रेस का मतलब अपने आप ही यह नहीं हो जाता कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के लिए आम सहमति वाले उम्मीदवार बन जाएंगे।

इसके लिए, कांग्रेस को एक ज़्यादा मुश्किल सवाल का जवाब देना होगा - वह वास्तव में अपने दम पर कितनी सीटें जीत सकती है, और क्षेत्रीय सहयोगियों पर कितनी निर्भर रहेगी?

इस सवाल का जवाब ही राहुल गांधी की मोल-भाव करने की क्षमता तय करेगा।

अगर कांग्रेस उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो राहुल का दावा काफ़ी मज़बूत हो जाएगा। लेकिन अगर अहम राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियां हावी रहती हैं, तो प्रधानमंत्री पद का सवाल एक बार फिर चुनाव के बाद बातचीत का मुद्दा बन सकता है।

यहीं पर सी एम विजय अहम हो जाते हैं।

नया नीतीश कुमार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का एक वर्ग, दोनों ही यह पूछने लगे हैं कि उस राजनीतिक जगह का क्या होगा, जिस पर वे इतने लंबे समय तक काबिज़ रहे। कई लोग दावा करेंगे। कुशवाहा ने औपचारिक रूप से खुद को नीतीश का उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया है। लेकिन यह स्पष्ट है कि एक बड़ा वर्ग चाहेगा कि वे यह जिम्मेदारी संभालें।

उत्तराधिकार का सवाल सिर्फ यह नहीं है कि राजनेता के तौर पर नीतीश की जगह कौन लेगा। सवाल यह है कि उनके पीछे छोड़ी गई राजनीतिक परंपरा का वाहक कौन होगा, खासकर समाजवादी, पिछड़ी जाति वाली वह जगह, जिसने कभी नीतीश को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और भाजपा, दोनों से अलग खड़ा होने में मदद की थी।

यहीं पर कुशवाहा की भूमिका अहम हो जाती है। वे आज बिहार में नीतीश की राजनीतिक शैली के संभावित उत्तराधिकारी के शायद सबसे करीब हैं। नीतीश की तरह, वे भी कर्पूरी ठाकुर, राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण द्वारा गढ़ी गई समाजवादी परंपरा से आते हैं; नीतीश की तरह, वे पिछड़ी जाति के उस सामाजिक गठबंधन के महत्व को समझते हैं, जिसने लव-कुश (कुर्मी-कोइरी) समीकरण को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया; और सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने दशकों तक उसी राजनीतिक क्षेत्र में काम किया है, ऐसा नहीं कि वे अचानक इसके दावेदार बन गये हों।

कुशवाहा सरकार का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने राजनीतिक संगठन बनाए और उनका नेतृत्व किया है, भाजपा और व्यापक जनता परिवार, दोनों के साथ गठबंधन की बातचीत की है, और अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखी है। इसलिए, उनकी अहमियत सिर्फ़ इसलिए नहीं है कि वह कोइरी नेता हैं या नीतीश के पूर्व सहयोगी रहे हैं, बल्कि इसलिए है कि वे उस खास जगह को समझते हैं, जिस पर नीतीश काबिज़ थे: सामाजिक रूप से जुड़े हुए लेकिन किसी एक जाति तक सीमित नहीं, भाषा में समाजवादी लेकिन गठबंधन के मामले में व्यावहारिक, और पिछड़े वर्गों के साथ-साथ उस मध्यम वर्ग से भी बात करने में सक्षम, जो सुशासन के वादे पर भरोसा करता था। अगर कोई "अगला नीतीश" हो सकता है, तो कुशवाहा का दावा इस बात पर टिका है कि वह सिर्फ़ कुर्सी के नहीं, बल्कि उस राजनीतिक तौर-तरीक़े के उत्तराधिकारी बन सकते हैं, जिसने नीतीश को इतने लंबे समय तक प्रासंगिक बनाए रखा।

लेकिन, कुशवाहा ने विरासत को अलग तरह से परिभाषित करने में सावधानी बरती है। उनके लिए, विरासत का मतलब कुर्सी मिलना, या एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को राजनीतिक सत्ता का अपने-आप हस्तांतरण नहीं है; बल्कि यह विचारों, मूल्यों और एक राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाने का पर्याय है। इसीलिए कर्पूरी ठाकुर और राम मनोहर लोहिया का ज़िक्र उनके लिए मायने रखता है। असल में, वे यह तर्क दे रहे हैं कि नीतीश की असली विरासत उस समाजवादी राजनीति में है, जिसे उन्होंने अपनाया, उसमें बदलाव किए और बिहार में चुनावी रूप से प्रासंगिक बनाया, और जो कोई भी उस विरासत का दावा करता है, उसे उन विचारों को आगे ले जाने की क्षमता दिखानी होगी।

यह फ़र्क इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नीतीश के जनता दल (यूनाइटेड) के पास उत्तराधिकार के सवाल का बिल्कुल अलग जवाब है। पार्टी के नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को बिहार के भविष्य के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। इस पेशकश को आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि वे नीतीश के बेटे हैं और परिवार की राजनीतिक विरासत के सबसे स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं।

लेकिन किसी राजनीतिक नेता का बेटा होना, और उसकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी होना, ज़रूरी नहीं कि एक ही बात हो। निशांत को अभी उस परीक्षा से गुज़रना बाकी है, जिसका सामना हर राजनीतिक उत्तराधिकारी को कभी न कभी करना ही पडता है: अपनी खुद की पहचान, अपना जनाधार और अपनी विश्वसनीयता बनाना।

राजनीति में, खानदान से मिली पहचान एंट्री टिकट तो दिला सकती है, लेकिन यह अपने-आप में लोगों की स्वीकार्यता की गारंटी नहीं दे सकती। समय, राजनीतिक कामकाज और मतदाताओं से जुड़ने की क्षमता ही यह तय करेंगे कि निशांत पारिवारिक विरासत को एक स्वतंत्र राजनीतिक जनादेश में बदल सकते हैं या नहीं।

अब हार्पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस संस्मरण, जिसमें एकांतप्रिय सोनिया गांधी ने युद्ध के बाद के इटली में गुजरे अपने बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में शादी, पति राजीव गांधी की हत्या और राजनीति में आने के बारे में लिखा है, ने अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर पब्लिश होने से पहले ही काफी ध्यान खींचा है।

सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की आयु सीमा 62 वर्ष हो- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 04 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायपालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है।

■ अदालत ने कहा कि 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वालों की उपयुक्तता के आधार पर रिटायमेंट एज बढ़ेगी। उपयुक्तता की जांच संबंधित हाईकोर्ट करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए।

विजय शाह का ऐसा क्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं लिया था। सरकार का यह भी कहना है कि मंत्री का मकसद अपनी टिप्पणी से कर्नल कुरैशी या किसी अन्य व्यक्ति का अपमान करना नहीं था।

राज्य सरकार शाह की माफी पर भी काफी हद तक भरोसा कर रही है। सरकार के प्रस्तावित जवाब के अनुसार, शाह ने तीन बार माफी मांगी और लिखित रूप में खेद भी व्यक्त किया। कैबिनेट का मानना है कि आपराधिक मुकदमा चलाने का फैसला करते समय बार-बार मांगी गई इस माफी पर विचार किया जाना चाहिए।

सरकार ने इस घटना को मानवीय भूल भी बताया है। उसका कहना है कि हालात को देखते हुए, शाह द्वारा बार-बार खेद व्यक्त करने और जानबूझकर ऐसा करने का इरादा न होने को देखते हुए, मुकदमा चलाने की मंज़ूरी देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार के बचाव का एक और अहम हिस्सा यह तर्क है कि शाह के बयान से सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगड़ा। राज्य सरकार यह तर्क दे सकती है कि न तो सांप्रदायिक शांति में कोई वास्तविक व्यवधान आया और न ही मंत्री का ऐसा कोई व्यवधान पैदा करने का इरादा था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने 25 अगस्त को शाह पर मुकदमा चलाने की मंज़ूरी न देने का फैसला किया था। इसके बाद यह सिफारिश राज्यपाल मंगूभाई पटेल को भेजी गई, जिन्होंने कैबिनेट के फैसले को मंज़ूरी दे दी। अब सरकार इन तर्कों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेगी।

लेकिन कोर्ट के लिए तैयार किए जा रहे कानूनी तर्कों से परे एक ऐसा राजनीतिक सवाल भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सरकार विजय शाह के खिलाफ़ कार्रवाई करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों दिखा रही है?

■ मध्य प्रदेश सरकार, सुप्रीम कोर्ट में भी पूरा जोर लगा रही है, शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की इज़ाजत न देने के लिए।

इसका जवाब भाजपा के अंदर, और मध्य प्रदेश की आदिवासी राजनीति में शाह की विशेष राजनीतिक पकड़ में छिपा है।

विजय शाह कोई आम मंत्री नहीं हैं। उन्होंने 1990 से लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं और तीन दशकों से ज़्यादा समय से मध्य प्रदेश की राजनीति में बने हुए हैं। विधायक के तौर पर अपने आठ कार्यकाल के दौरान, उन्होंने उमा भारती के दौर से लेकर मौजूदा मोहन यादव सरकार तक में काम किया है।

इन सालों में, शाह ने पांच अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने तीन बार आदिवासी कल्याण विभाग और दो बार वन विभाग का नेतृत्व किया है। उन्होंने स्कूल शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति, और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों का भी कार्यभार संभाला है।

सरकार में इतने लंबे समय तक बने रहने के साथ-साथ, ज़मीनी स्तर पर उनका गहरा राजनीतिक प्रभाव भी रहा है।

शाह मकराई राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं और राजगोंड खानदान से हैं। उन्हें मध्य प्रदेश में भाजपा के सबसे प्रमुख आदिवासी चेहरों में से एक माना जाता है, खासकर गोंड वोटरों के बीच।

यह सामाजिक आधार राजनीतिक रूप से बहुत अहम है। मध्य प्रदेश की आबादी में अनुसूचित जनजातियों की हिस्सेदारी लगभग 22 प्रतिशत है। राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं, जबकि आदिवासी वोटर कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों को भी प्रभावित करते हैं। कुल मिलाकर, आदिवासी-बहुल सीटों की विधानसभा में बड़ी हिस्सेदारी है।

गोंड समुदाय राज्य के सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक है और मध्य प्रदेश की आदिवासी आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। इस सामाजिक वर्ग में शाह की स्थिति उन्हें उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र से कहीं ज़्यादा राजनीतिक महत्व दिलाती है।

लगभग चार दशकों से हरसूद और आसपास के इलाकों में उनका दबदबा रहा है। लगातार आठ जीत ने उन्हें भाजपा के सबसे मज़बूत क्षेत्रीय नेताओं में से एक बना दिया है।

यही वजह है कि उनके खिलाफ़ कोई भी कार्रवाई राजनीतिक रूप से पेचीदा है।

सत्ताधारी पार्टी के लिए, शाह को हटाना, उन पर मुकदमा चलाना या सार्वजनिक रूप से उनसे दूरी बनाना एक ऐसे प्रभावशाली आदिवासी नेता को नाराज़ करने का खतरा है, जिनका नेटवर्क बहुत पुराना है और चुनावी आधार वफ़ादार है।

पहले हुए विवादों के बाद भी, उनका राजनीतिक रूप से बने रहना यह दिखाता है कि पार्टी ने अतीत में उन्हें कितनी सावधानी से संभाला है।

2013 में, झाबुआ में एक कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने पर आलोचना होने के बाद शाह को कैबिनेट से हटा दिया गया था। लेकिन उन्हें हटाने का यह फैसला सिर्फ़ चार महीने तक ही चला और वे फिर से मंत्री बन गए। एक दशक से भी ज़्यादा समय के बाद, एक और विवाद ने उन्हें फिर से राजनीतिक और कानूनी तूफ़ान के केन्द्र में लाकर खड़ा कर दिया है।

लेकिन इस बार मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है।

मई 2025 में एक वीडियो सामने आने के बाद शाह की कड़ी आलोचना हुई। इस वीडियो में उन्हें कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए देखा गया था, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इन टिप्पणियों का स्वतः संज्ञान लिया, शाह की कड़ी आलोचना की और पुलिस को उनके खिलाफ दुश्मनी और नफरत फैलाने जैसे आरोपों में एफ.आई.आर. दर्ज करने का निर्देश दिया।

इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जिसने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से स्टेटस रिपोर्ट मांगी।

विवाद के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी के तरीके पर उन्हें फटकार लगाई और सवाल उठाया कि क्या उनकी प्रतिक्रिया पर्याप्त थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

हमने पाकिस्तान के खिलाफ जो भी मैच जीते हैं, चाहे वह एशिया कप हो या कोई और मैच, हम हमेशा उनसे एक कदम आगे रहे हैं। ''पूरी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। **- दीप्ति शर्मा**

भारतीय महिला क्रिकेटर, भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ पीटर सिडल

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है। 41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फॉरेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... पहला स्वर्ण पदक विजेता: साल 1951 के खेलों में तैराक सचिन नाग ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वतंत्र भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था।

भारत-जापान के बीच ऐतिहासिक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला 22 को

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत और जापान की क्रिकेट टीमों के बीच 22 सितंबर को जापान के तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत करेगा। मुकाबले को 'सुजुकी कप' नाम दिया गया है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को कहा, बीसीसीआई इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी। यह क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में बड़े दर्शक वर्ग तक इस खेल को पहुंचाने का अवसर मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत और

जापान के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मित्रता हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले समारोहों में क्रिकेट भी हिस्सा बनेगा। इस मुकाबले को संभव बनाने के लिए हम जापान क्रिकेट संघ के प्रयासों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''बीसीसीआई का मानना है कि क्रिकेट का विकास उसके पारंपरिक क्षेत्रों से आगे तक होना चाहिए और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के रूप में हम इस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई आने वाले वर्षों में जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने तथा इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए जापान क्रिकेट संघ के साथ मिलकर काम करेगा।

जापान क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाओकी मियाजी ने कहा, विश्व चैंपियन टीम को जापान में क्रिकेट के घर कहे जाने वाले मैदान पर आमंत्रित कर पाना हमारे संघ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए हम बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं और भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह का स्वागत करने के लिए बेहद उत्सुक हैं।''

बीसीसीआई की बैठक में क्यों शामिल नहीं हुए अगरकर?

अनुबंध को लेकर नहीं हुई चर्चा, अनुपस्थिति ने बढ़ाई अटकलें

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को मुंबई में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के क्रिकेट निदेशक वीवीएस लक्ष्मण सहित शीर्ष बीसीसीआई अधिकारी शामिल हुए थे। लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिसके लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

किसे लेकर बुलाई गई थी बैठक?

भारत को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में 0-2 से चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद इंग्लैंड के दौरे पर उसे पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार झेलनी पड़ी और वनडे सीरीज भी 1-2 से गंवानी पड़ी। इसकी समीक्षा को लेकर बीसीसीआई ने बैठक बुलाई थी। लेकिन अगरकर के इसमें

शामिल नहीं होने को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं। मालूम हो कि चयनकर्ता के तौर पर अगरकर का कार्यकाल खत्म होने वाला है। चूंकि अगरकर ने बीसीसीआई की बैठक में हिस्सा नहीं लिया इस कारण उनके अनुबंध विस्तार को लेकर चर्चा नहीं हो सकी।

सैकिया ने अगरकर के नहीं जुड़ने का कारण बताया

बीसीसीआई मुख्यालय में बोर्ड द्वारा बुलाई गई इस समीक्षा बैठक के बारे में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि इसे काफी कम समय के नोटिस पर बुलाया गया था। सैकिया के अनुसार, आगरकर शहर से बाहर थे और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी इस बैठक में नहीं जुड़ सके। सैकिया ने बताया कि शहर से बाहर होने के कारण अगरकर इस बैठक का हिस्सा नहीं बन सके क्योंकि यह बैठक बहुत कम समय के नोटिस पर बुलाई गई थी। उन्होंने कहा, हमारे चयन समिति के प्रमुख अजीत शहर में नहीं थे इसलिए वह इसमें शामिल नहीं हो पाए। वह ऐसी जगह पर थे कि हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।

मंधाना का तूफानी शतक, हांगकांग को 147 रन से रौंदकर भारत सेमीफाइनल में

दुबई, 3 सितंबर। स्मृति मंधाना की रिकॉर्डतोड़ शतकीय पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग को 137 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए। मंधाना ने महज 64 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 124 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके अलावा शेफाली वर्मा ने 17 गेंदों पर 28 रन बनाए। प्रतिका रावल ने 10, ऋचा घोष ने 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 10 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 16.2 ओवर में सिर्फ 56 रन पर ऑलआउट हो गई।

मंधाना ने रचा इतिहास - स्मृति मंधाना की 124 रन की पारी सिर्फ मैच जिताऊ नहीं रही, बल्कि रिकॉर्डों से भी भरपूर रही। यह उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक था, जिसके साथ उन्होंने मेग लैनिंग (17 शतक) को पीछे छोड़कर महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने का भी गौरव हासिल किया।

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत

महिला एशिया कप में होगी दोनों टीमों की भिड़ंत, प्लेइंग-11 में होगा बदलाव

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में सामना अब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच ग्रुप चरण का यह मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय महिला अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और वह बस अब औपचारिकता के लिए मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकॉर्ड एकतरफा है। लेकिन जब भी दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करती हैं तो वो मैच बेहद रोमांचक होता है।

हार से सेमीफाइनल की दौड़ में पिछड़ सकता है पाकिस्तान

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय टीम इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत ने पहले दो मैचों में भले ही

शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उसमें कुछ जगह सुधार की भी जरूरत है। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है।

शानदार फॉर्म में हैं भारतीय बल्लेबाज

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भी शानदार फॉर्म में हैं। मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ यादगार शतक लगाते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और प्रतियोगिता की अन्य टीमों को अपनी बल्लेबाजी क्षमता का संकेत दे दिया।

दुबई की पिचों पर बल्लेबाजी आसान नहीं रही है। बल्लेबाजों को आमतौर पर पिच की गति और उछाल को समझने में करीब 10 गेंद लगती हैं और उसी के अनुसार पारी की योजना बनानी पड़ती है।मंधाना और शेफाली ने भी बृहस्पतिवार रात इसी रणनीति को अपनाया था। मध्यक्रम में प्रतिका रावल, ऋचा घोष और कप्तान हरमनप्रीत कौर की भूमिका अहम होगी। तीनों अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में तब्दील नहीं कर सकी हैं।

चरिथ असलंका संभालेंगे श्रीलंका की कप्तानी

कोलंबो, 4 सितंबर। श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर नहीं उबर पाने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में चरिथ असलंका श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगे। कुसल मेंडिस को जुलाई में लंका प्रीमियर लीग में कोलंबो किंग्स की ओर से खेलते हुए दो मुकाबलों के बाद हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। इसी चोट के कारण वह भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली गई दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर रहे थे। असलंका को शुरुआत में टीम का उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन अब उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है। यह सीरीज टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी भी होगी।

बीसीसीआई ने उम्र में हेरफेर पर बंगाल के लेग स्पिनर रोहित पर लगाया 2 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उम्र को लेकर कथित गलत जानकारी देने के मामले में बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी शृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले रोहित ने जुलाई में भारत की अंडर-19 टीम के साथ श्रीलंका का दौरा किया था। उन्होंने वहां छह विकेट लिए थे और टीम को अंतिम टेस्ट जीतने में अहम योगदान दिया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। रोहित को इस महीने के अंत में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाले भारत के घरेलू वनडे और बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल किया गया था। श्रीलंका दौरे के दौरान दस्तावेजों की जांच में उनकी उम्र को लेकर विसंगतियां सामने आईं। रोहित के पास जन्म के तीन अलग-अलग प्रमाणपत्र मिले, जिनमें जन्म वर्ष 2007, 2009 और 2010 दर्ज है।

ऑल इंडिया कैरम फैडरेशन की अपील स्वीकार

नई दिल्ली, 4 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने खेल महासंघों की स्वायत्तता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन (एआईसीएफ) की अपील को स्वीकार कर लिया है। पीठ ने एकल पीठ द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को दिए गए उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसके तहत एआईसीएफ को अपने नाम, लोगो और प्रतियोगिताओं से इंडिया या इंडियन शब्द हटाने तथा खुद को सरकारी मान्यता प्राप्त भारतीय टीम के रूप में प्रस्तुत न करने का निर्देश दिया गया था।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने स्पष्ट किया कि खेल संहिता (भारत का राष्ट्रीय खेल विकास कोड, 2011) के एनेक्सचर- के तहत किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ की मान्यता को निलंबित या वापस लेने के लिए एक तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। अदालत ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार, महासंघ को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए बिना वार्षिक मान्यता का नवीनीकरण न होने मात्र से उसकी मान्यता को स्वत: समाप्त नहीं माना जा सकता। यह कानूनी विवाद वर्ष 2023 में आयोजित एआईसीएफ के चुनावों के बाद शुरू हुआ था।

खेल मंत्रालय (यूओआई) ने वन स्टेट वन यूनिट नियम के कथित उल्लंघन (महाराष्ट्र की दो संस्थाओं की भागीदारी) का हवाला देते हुए एआईसीएफ के चुनाव और उसकी मान्यता के नवीनीकरण पर रोक लगा दी थी। इस आधार पर एकल पीठ ने एआईसीएफ को अपने नाम से इंडिया शब्द हटाने के निर्देश जारी किए थे। डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि खेल मंत्रालय द्वारा 07 दिसंबर 2020 को भेजा गया पत्र केवल आपत्तियों का एक रिकॉर्ड था, न कि मान्यता वापस लेने का अंतिम आदेश। इसलिए, बिना किसी प्रक्रिया के एआईसीएफ को निष्कासित या अमान्य मानना कानूनन सही नहीं था।

इसके साथ ही, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि एकल पीठ का पिछला आदेश रद्द कर दिया गया है, लेकिन इस बीच खेल मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2026 को जारी नए आदेश (जिसमें 2023 के चुनावों को खारिज किया गया है) की वैधता की जांच लंबित याचिका डब्ल्यू.पी. (सी)10610/2026 में स्वतंत्र रूप से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कोर्ट ने उल्लेख किया कि एआईसीएफ को भविष्य में राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 (एनएसजी एक्ट) और इसके नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों के लिए अंतिम तैयारी शिविर भोपाल और नई दिल्ली में लगेंगे

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने आगामी एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजों के अंतिम तैयारी शिविरों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन शिविरों का उद्देश्य खिलाड़ियों की तकनीक को अंतिम रूप देना, मानसिक तैयारी को मजबूत करना और उन्हें प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार करना है। एशियाई खेलों में निशानेबाजी की स्पर्धाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी।

तैयारी शिविर देश के दो प्रमुख निशानेबाजी केंद्रों-भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी और नई दिल्ली की डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किए जाएंगे। खिलाड़ियों की स्पर्धाओं के अनुसार उन्हें संबंधित केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

20th Asian Games Aichi-Nagoya 2026

राइफल और पिस्टल वर्ग के खिलाड़ियों का शिविर 5 से 14 सितंबर तक भोपाल में होगा। शॉटगन की स्कीट स्पर्धा का शिविर 4 से 14 सितंबर और ट्रैप स्पर्धा का शिविर 10 से 18 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 2026 के एशियाई खेल हमारे निशानेबाजों के लिए महाद्वीपीय स्तर पर अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर हैं। ये तैयारी शिविर पदक जीतने की हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण कदम हैं। संघ के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, भोपाल और नई दिल्ली में एक साथ इन शिविरों का आयोजन यह सुनिश्चित करता है कि हमारे खिलाड़ी अपनी-अपनी स्पर्धाओं के लिए उपयुक्त माहौल में प्रशिक्षण ले सकें।

चाइना मास्टर्स : श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे

ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

शेनझेन, 4 सितंबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शुक्रवार को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकॉर्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है।

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक : दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने शुक्रवार को हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

आरसीए सवाई माधोपुर जिला (अंडर-16 ट्रॉफी) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 7 को

जयपुर, 4 सितंबर। आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ अंडर 16 टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा अधिकृत ओपन चयन ट्रायल आगामी 7 सितम्बर को प्रात: 10 बजे जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड , जयपुर पर आयोजन किया जायेगा। आरसीए द्वारा सवाई माधोपुर जिला अंडर 16 टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल के लिए अमर सिंह नेगी व अंकित लांबा को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडी का जन्म दिनांक 1 सितम्बर 2010 से 31- 8 - 2012 के मध्य होना आवश्यक व खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर द्वारा जनरेट किया गया जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), वास्तविक पहचान प्रमाण पत्र (अनिवार्य), पिछले तीन वर्षों के स्कूल/कॉलेज की मार्कशीट, आधार कार्ड/वोटर आईडी/ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड।

यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता

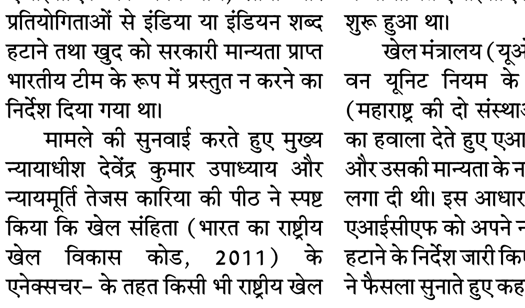

जयपुर, 4 सितम्बर। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे यति क्रिकेट एकेडमी और अरावली नेक्सटजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107/10 28.1 ओवर में ऑल आउट हो गई । अरावली नेक्सटजेन की ओर से सूर्याशं ने 29 रन, दिपेश कुशवाहा ने 20 रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए कविश अग्रवाल ने 19 रन देकर 4 विकेट, और राजवीर सिंह ने 15 रन देकर के 3 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 111/3 18.4 ओवर मे रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी कि ओर से दक्ष जैन ने 46 रन ओर कान्हा श्रीवास्तव 18 रन बनाये। अरावली नेक्सटजेन ने गेदबाजी करते हुए वंश प्रताप ने 13 रन देकर के 1 विकेट, प्रशान्त परमार ने 29 रन देकर के 1 विकेट और देव ने 13 रन देकर के 1 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता हुई।

दलीप ट्रॉफी : फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज, ईस्ट जोन से छह से मुकाबला

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से छह सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

किसकी जगह किए गए शामिल

सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल चार विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। ईएसपीएन

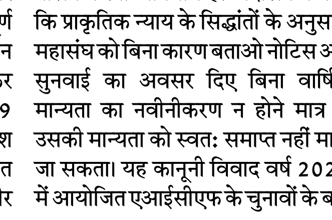

क्रिकइंफो के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं।

10 सितंबर को खत्म होगा फाइनल

इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में हारी अश्मिता चालिहा, शू वेन जिंग ने दी मात

पोंटियानक, 4 सितंबर। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 38 अश्मिता चालिहा को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 के क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 81 शू वेन जिंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। शू वेन जिंग ने शुक्रवार को चालिहा को 21-10, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ी शुरुआती चरण में 3-3 और 5-5 से बराबरी पर थीं। इसके बाद शू वेन जिंग ने लगातार अंक जुटाते हुए 8-5 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक चीनी खिलाड़ी 11-7 से आगे थीं और ब्रेक के बाद उन्होंने अपनी बढ़त को लगातार मजबूत किया। शू वेन जिंग ने 17-9 और फिर 20-9 की बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी शू वेन जिंग ने तेज शुरुआत करते हुए 1-1 से आगे निकलकर 6-1 की बढ़त बना ली। चालिहा ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 6-3 किया।

दिशा क्रिकेट अकादमी ने जीता अंडर-12 चैम्पियंस कप का खिताब

जयपुर, 4 सितम्बर। अंडर-12 चैंपियंस कप के फाइनल मुकाबला में शिवा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.5 ओवर में 188 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं! हर्षित अग्रवाल ने 46 और आरव शर्मा ने 36 रनों का योगदान दिया! दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से वासु ने 3 और राघव यादव ने 2 विकेट लिए! लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिशा क्रिकेट अकादमी ने 30.1 ओवर में 190 रन 4 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली ! हर्षित सैनी ने 98 और अनभव सिंह ने 31 रनों का योगदान दिया।

अलेक्जेंडर ने क्वेंटिन हेली को पांच सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 4 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले मुकाबले में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरुआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजांद्रो ताबिलो से होगा।

राजस्थान की टीमें उपविजेता : दिल्ली और हरियाणा ने जीते खिताब

भीलवाड़ा, 4 सितम्बर। मेजबान राजस्थान की टीमों को नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैम्पियनषिप में उपविजेता रहकर ही संतोष करना पड़ा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 3-2 से, लड़कियों के अंडर-19 में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से हराकर मेजबान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिल्ली पुरूषो में हरियाणा को 3-1 से हराकर चैम्पियन बनी। महिलाओं के फाइनल में पारूल चौधरी ने जिया रावत को 15-10, 15-12 से हराकर राजस्थान को शानदार शुरूआत दिलाई। स्नेहा लांबा ने मेधावी नागर को 15-9, 12-15, 15-11 से षिकस्त देकर राजस्थान की बढ़त को 2-0 कर दिया। एक समय लग रहा था कि राजस्थान की महिलाये एक मैच और जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल कर

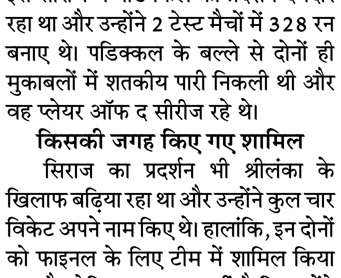

लेगी। लेकिन बाद में राजस्थान ने दोनो युगल व एकल मुकाबले गंवा दिए। हरियाणा की बरूनी पार्ष्वाल और जिया रावत ने पारूल चौधरी और काव्या स्वामी को 15-4, 15-12 से, गरिमा कुन्डू ने आनंदिता तामरा को 9-15, 15-13, 15-9 से और तनु मलिक और षिवानी संतोष सिंह ने शेरिल चौधरी और स्नेहा लांबा को 15-9, 15-12 से हराकर राजस्थान की चुनौती को समाप्त कर दिया। पुरूषो के फाइनल में दिल्ली ने हरियाणा को 3-1 से करारी षिकस्त दी। मानव चौधरी ने देवांषु चौधरी को 15-11, 15-11 से हराया जबकि वंष देव ने मनराज सिंह को 19-17, 15-10 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। युगल में हरियाणा के देववृत और सौरभ ने परम चौधरी और दिव्यांष रावत को 13-15, 15-7, 15-12 से, भारत राघव ने ढिंगरा मधुर को 15-6, 8-10, 15-10 से हराकर दिल्ली की खिताबी जीत तय कर दी। अंडर-19 लड़कियों के फाइनल में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से षिकस्त दी। राजस्थान की पारूल चौधरी ने रिषिका नंदी को 15-10, 15-10 से हराकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन बाद में रिषिका नंदी और इषिता नेगी की जोड़ी ने पारूल चौधरी और काव्या स्वामी को 18-16, 15-11 से और इषिता नेगी ने स्नेहा लांबा 15-10, 15-7 से हराकर राजस्थान की खिताबी जीत का सपना तोड़ दिया। लड़को के फाइनल में हरियाणा ने पंजाब को 2-1 से हराया। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि शनिवार की सुबह 9 बजे से व्यक्तिगत मुकाबले खेले जाऐंगे। शुक्रवार की शाम को हुए पुरूष्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथी आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निषांत मेवाड़ा और नारकोटिक्स विभाग के सुषील वर्मा ने पुरूष्कार वितरण किया। इस मौके पर भारतीय बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव और राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.के. शर्मा, पूर्व पार्षद दारा सिंह राजपूत, हीरालाल, भूपेन्द्र सिंह पंवार व रितेष क्षोत्रिय भी मौजूद थे। देर रात तक व्यक्तिगत मुकाबले जारी रहे।

KEDIA
आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.
RAJ/P/2026/5326
गणेश चतुर्थी पर
भव्य लॉन्च
NO MIDDLE MEN
14 सितंबर 2026
FIXED PRICE
नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप
प्री-लॉन्च रेट ₹16,500 प्रति वर्ग गज
लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी) ₹18,000 प्रति वर्ग गज
दिवाली की रेट ₹20,000 प्रति वर्ग गज
1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख
2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख
सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !
KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
T&C Apply*

फाइबर और प्रोटीन से भरपूर
आटा तो पवित्र ही खिलाकर रहेंगे !
एक्सपोर्ट क्वालिटी गेहूँ से बना
केडिया पवित्र देशी चक्की आटा 10 किलो
अब सिर्फ ₹400 में
KEDIA Pavitra
DESHI CHAKKI AATA
देशी चक्की आटा
NET WEIGHT: 10 kg
FIXED PRICE
आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध
पहली बार ट्रिपल लेयर पैकेजिंग में
बिना प्रिजर्वेटिव
इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए अपने नज़दीकी दुकान पर इस विज्ञापन को दिखाएँ।
स्विस टेक बुहलर प्लांट में बना
BÜHLER
नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट और Zepto पर उपलब्ध !
KEDIA Pavitra
आटा | दलिया | सूजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले। हींग। कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मखाना | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कम्प्लीट किचन बास्केट
दुकान हो या सुपरमार्केट कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727
Conditions Apply *Visuals for illustration purpose only*